■ कार्तिक शुक्ल - 14 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 111 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 15-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा सरकार माओवादियों के सफाये को प्रतिबद्ध : योगी
6 गुरुनानक देव समाजक्रांति एवं धर्मक्रांति के पुरोधा
7 भारतीय दर्शकों के लिए किफायती कीमतों पर बेजोड़ कंटेंट सुनिश्चित करेंगे : मुकेश अंबानी

गरीबी हटाओ का नारा देकर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया लेकिन उसने गरीबों को ही लूट लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी की मानसिकता यह सुनिश्चित करने की है कि गरीब प्रगति न करे।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पनवेल में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''अगर गरीबों को फायदा हो रहा है तो आपको खुशी होती है, लेकिन कांग्रेस को इस बात की खुशी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''वोट बैंक की राजनीति के मामले में कांग्रेस काफी आगे है, लेकिन वह गरीबों की दुश्मन है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस को रोकने की बड़ी जिम्मेदारी गरीबों की है।

मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस ने हमेशा गरीब को गरीब बनाए रखने के एजेंडे के साथ काम किया है। उन्होंने कहा, ''पीढ़ी दर पीढ़ी ये लोग केवल गरीबी हटाओ का झूठा नारा देते रहे। गरीबी हटाओ के नारे के नाम पर कांग्रेस ने गरीबों को ही लूट लिया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इसलिए गरीब, जिंदगी की मुश्किलों से बाहर नहीं आ पाया और आजादी के 70 साल बाद भी देश के ज्यादातर लोग रोटी, कपड़ा और मकान पाने के लिए जूझते रहे। उन्होंने दावा किया, ''पिछले 10 वर्षों में पहली बार ये हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है।''

मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि महाराष्ट्र के प्रति अपने प्रेम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''जब भाजपा ने 2013 में मुझे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर चुना था तब मैं रायगढ़ किले गया था और शिवाजी महाराज से देश के लिए काम करने का आशीर्वाद मांगा था।'' उन्होंने कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें स्वराज की शपथ दिलाई थी। हमें विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वराज के साथ-साथ सुराज के संकल्प को आगे बढ़ाना है।

■ पिछले 10 वर्षों में पहली बार हालात बदले हैं। पहली बार कोई सरकार 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर लाई है : प्रधानमंत्री

शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरु नानक देव की जयंती की पूर्व संध्या पर बृहस्पतिवार को लोगों को शुभकामनाएं देते हुए समाज में एकता और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी से उनकी शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। मुर्मू ने अपने संदेश में कहा कि पहले सिख गुरु, नानक देव ने लोगों को ईमानदारी और कड़ी मेहनत करने तथा अपनी कमाई जरूरतमंदों में बांटने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रपति ने भारत और विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों, विशेषकर सिख भाइयों और बहनों को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुर्मू ने कहा, ''गुरु नानक देव जी के जपजी साहिब में प्रेम, विश्वास, सत्य और त्याग पर जोर दिया गया है। उनकी शिक्षाएं हमें नैतिक नैतिकता की ओर ले जाती हैं। उन्होंने सामुदायिक रसोई की प्रथा की शुरुआत की, जिसे लंगर के नाम से जाना जाता है, और भाईचारे की वकालत की।'' राष्ट्रपति ने कहा कि गुरु नानक देव ने सभी को अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करते हुए ज्ञान और त्याग प्राप्त करने हेतु आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

फर्स्ट टेक

यूरोपीय संघ ने मेटा पर 80 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया

लंदन/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने बृहस्पतिवार को फेसबुक की मूल कंपनी मेटा पर 80 करोड़ यूरोप का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना कंपनी की 'मार्केटप्लेस ऑनलाइन' वर्गीकृत विज्ञापन कारोबार से जुड़ी 'अनुचित गतिविधियों' के लिए लगाया गया है। 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ की कार्यकारी इकाई यूरोपीय आयोग और प्रतिस्पर्धा आयोग ने लंबे समय से चल रही जांच के बाद 79.77 करोड़ यूरो (84.1 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया है। नियामकों ने जांच में पाया कि कंपनी ने अपनी दबदबे की स्थिति का दुरुपयोग किया और प्रतिस्पर्धा-रोधी गतिविधियों में लगी रही।

सरकार ने मेघालय के विद्रोही संगठन एचएनएलसी पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को मेघालय स्थित विद्रोही समूह हाइनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) को हिंसक घटनाओं में शामिल होने और भारत की संप्रभुता व अखंडता के लिए हानिकारक गतिविधियों को अंजाम देने के वास्ते पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार की राय है कि एचएनएलसी ने मेघालय के उन क्षेत्रों को अलग करने का लक्ष्य घोषित किया है, जिनमें मुख्य रूप से खासी और जैंतिया जनजातियां निवास करती हैं, तथा उसने अपने संगठन के वास्ते धन उगाही करने के लिए नागरिकों को डराना-धमकाना जारी रखा है। इसमें कहा गया है कि यह समूह जबरन वसूली और धमकी देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य विद्रोही समूहों के साथ भी संबंध बनाए हुए है और नवंबर 2019 से जून 2024 की अवधि के दौरान मेघालय में विस्फोट करने या विस्फोटक लगाने के कई मामलों सहित 48 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

मणिपुर के जिरीबाम समेत छह पुलिस थानों में फिर से लगा अफस्पा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम सहित छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) को पुनः लागू कर दिया है। सशस्त्र बलों के संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए अफस्पा के तहत किसी क्षेत्र या जिले को अशांत के रूप में अधिसूचित किया जाता है। अफस्पा अशांत क्षेत्रों में काम करने वाले सशस्त्र बलों को तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और गोलीबारी करने के व्यापक अधिकार देता है, अगर वे इसे सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक समझते हैं।
केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि यह निर्णय वहां जारी जातीय हिंसा के कारण लगातार अस्थिर स्थिति को देखते हुए लिया गया है।

रिपब्लिकन पार्टी ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में 218 सीट जीतीं

वाशिंगटन/एपी। रिपब्लिकन पार्टी ने अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में 218 सीट जीत ली हैं और इसी के साथ सत्ता पर पार्टी की पूरी तरह से पकड़ हो गई है। एरिजोना और कैलिफोर्निया में निचले सदन की सीट पर जीत के साथ ही रिपब्लिकन पार्टी को प्रतिनिधि सभा में 218 सीट पर जीत मिल गई, जो बहुमत के बराबर है। रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट पर पहले ही नियंत्रण हासिल कर लिया है। रिपब्लिकन पार्टी के नेता एवं नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार सुबह संसद भवन परिसर में प्रतिनिधि सभा के सदस्यों से मुलाकात की।

सूर्यास्त 15-11-2024 5:50 बजे	सूर्योदय 16-11-2024 6:18 बजे
BSE 77,580.31 (-110.64)	NSE 23,532.70 (-26.35)
सोना 8,110 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 91,668 रु. प्रति किलो

भारत ने निर्देशित पिनाका हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने प्रमाणन परीक्षणों के एक भाग के रूप में निर्देशित पिनाका हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन परीक्षणों के दौरान, रॉकेटों के व्यापक परीक्षण के माध्यम से 'प्रोविजनल स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट' (पीएसक्यूआर) के मापदंडों, जैसे कि रेंजिंग, सटीकता, स्थिरता और सैल्वो मोड (सैल्वो तोपखाने या आग्नेयास्त्रों का एक साथ प्रयोग है जिसमें लक्ष्य को भेदने के लिए तोपों से गोलीबारी शामिल है) में कई लक्ष्यों पर निशाना साधने की दर का आकलन किया गया है।

इसमें कहा गया, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पीएसक्यूआर सत्यापन परीक्षणों के भाग के रूप में निर्देशित पिनाका हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

उड़ान परीक्षण विभिन्न फील्ड फायरिंग रेंजों पर तीन चरणों में आयोजित किए गए।

मोदी ने यदि संविधान पढ़ा होता तो अलग नीतियां अपनाई होतीं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नांदेड़ (महाराष्ट्र)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत का संविधान पढ़ा होता तो वह अलग नीतियां अपनाते। गांधी ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा सीट के उपचुनाव से पहले यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''संविधान हमें अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करना नहीं सिखाता है।'' उन्होंने दावा किया, ''मोदी ने 25 अमीर लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया लेकिन गरीबों और किसानों का कर्ज नहीं माफ किया।'' उन्होंने कहा , ''संविधान आपको यह नहीं सिखाता।''

गांधी ने मणिपुर में जारी संघर्ष का भी जिक्र किया और कहा, ''देश के इतिहास में हमने कभी ऐसी स्थिति नहीं देखी है, जहां एक राज्य एक साल से अधिक समय से जल रहा हो लेकिन प्रधानमंत्री ने वहां का दौरा तक नहीं किया हो।'' संविधान की 'लाल कवर' वाली प्रति दिखाते हुए उन्होंने कहा, ''मोदी जी कहते हैं कि यह किताब खाली है। क्या यह खाली है? उन्होंने भारत के संविधान को नहीं समझा है। यह देश की आवाज है और इसमें भारत का इतिहास और आत्मा समाहित है। आपने (मोदी) इसे अपने जीवन में नहीं पढ़ा है, नहीं तो आप वह नहीं करते जो आप कर रहे हैं।'' गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को खत्म करने के लिए 'गुप्त तरीके से' काम कर रही है लेकिन वह ऐसा खुलकर नहीं कहेगी क्योंकि तब पूरा देश उसके खिलाफ उठ खड़ा होगा।

कर्नाटक सरकार ने किया फैसला

कोविड-19 के दौरान दवाइयों की खरीद में अनियमितताओं की जांच करेगी एसआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान उपकरणों और दवाइयों की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए बृहस्पतिवार को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का फैसला किया।

न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी कुन्हा आयोग द्वारा प्रस्तुत अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर भारतीय जनता पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार में हुई इन कथित अनियमितताओं की जांच के आदेश दिए गए हैं।

कर्नाटक के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के.पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, ''न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा द्वारा प्रस्तुत अंतरिम रिपोर्ट की जांच के बाद, राज्य मंत्रिमंडल ने आगे की जांच करने तथा कार्रवाई करने के लिए एक एसआईटी गठित करने का निर्णय लिया है।''

मंत्री ने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक स्तर का एक अधिकारी एसआईटी का नेतृत्व करेगा। अंतिम रिपोर्ट जमा होने के बाद उसे भी जांच के लिए एसआईटी को भेज दिया जाएगा।

पाटिल के अनुसार, एसआईटी केवल अनियमितताओं की जांच करेगी, धन की वसूली नहीं।

पाटिल ने कहा, ''इस एसआईटी द्वारा वसूली के पहलू पर विचार नहीं किया जाएगा। वसूली के संबंध में समिति अपनी संस्तुति दे सकती है। वसूली राजस्व विभाग की एक अलग एजेंसी द्वारा की जा सकती है क्योंकि यह राजस्व बकाया की वसूली की तरह होगी।''

'डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस' के रूप में सेवाएं देंगी तुलसी गबार्ड : ट्रंप

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि डेमोक्रेटिक पार्टी की पूर्व सदस्य तुलसी गबार्ड 'डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस' (डीएनआई) के रूप में सेवाएं देंगी। गबार्ड चार बार सांसद रह चुकी हैं और 2020 में वह राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए उम्मीदवार भी थीं। गबार्ड के पास पश्चिम एशिया और अफ्रीका के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में तीन बार तैनाती का अनुभव है। वह हाल ही में डेमोक्रेटिक पार्टी को छोड़कर रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हुई थीं।

'भारत, यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंध नई ऊंचाई पर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर प्रकाश डालते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि दोनों देशों के मध्य रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं।

यहां सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (मानद् विश्वविद्यालय) परिसर के उद्घाटन के अवसर पर जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई की पहली यात्रा ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की नई शुरुआत की।

जयशंकर ने कहा, भारत-यूएई संबंध आज सही मायनों में नये युग में हैं। जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2015 में ऐतिहासिक यात्रा हुई थी जो सदी की पहली यात्रा थी, और उसी तरह से हमारी व्यापक आर्थिक साझेदारी भी ऐतिहासिक स्तर पर है।

जयशंकर ने कहा कि दुबई में सिम्बायोसिस परिसर का उद्घाटन एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा है जो भारत और यूएई के बीच बढ़ते शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को दर्शाता है। मंत्री ने कहा, भारत को आज वैश्विक कार्यस्थल के लिए तैयार होने की आवश्यकता है। साथ ही, उसे चिप्स, 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी', स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष और सड़कों के युग के लिए भी तैयार रहना होगा।

जयशंकर ने कहा कि भारत को इन संभावनाओं के विकास को पर्यावरण अनुकूल और बाजार अनुकूल बनाकर प्रबंधित करना होगा। मंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से हमें विश्व के साथ तालमेल बिठाने और राष्ट्रीय संभावनाओं को आगे बढ़ाने की विशेष क्षमता मिलेगी।

आदर्श कॉलेज में 'सतत विकास और साइबर सुरक्षा' विषय पर हुआ विद्यार्थी सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित एसआरएन आदर्श कॉलेज में आकाशवाणी बेंगलूरु के संयुक्त तत्वासधान में 'सतत विकास और साइबर सुरक्षा' विषय पर विद्यार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ एस प्रशांत ने सभी का स्वागत किया। प्रमुख अतिथि के रूप आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रमुख डॉ एएस शंकरनारायण उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विषय परिचय थिम्मप्पा गौड़ा द्वारा दिया गया। तत्पश्वात बृजलाल एमवी ने 'जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना' विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को कई महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई। दूसरे सत्र में वरिष्ठ शोधकर्ता वन्य जीव एसओएस ने श्रीनु कांत महाराणा ने मानव एवं वन्य जीव के सह-अस्तित्व विषय पर विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। तीसरे सत्र में 'साइबर अपराध डिजिटल गिरफ्तारी पर' एसपी साइबर अपराध प्रभाग के यशवंतकुमार डीवाई ने जानकारी दी। फ्लोरीन रोश द्वारा विषय प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के बीकॉम-बीबीए-बीसीए के सभी विद्यार्थियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

आठ दीक्षार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम 'विजय प्रस्थान' 17 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवीपुरम में विराजित आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी से आशीर्वाद लेने के लिए अहमदाबाद और मुंबई से 8 मुमुक्षु जो आगामी दिनों में गच्छाधिपति आचार्यश्री युगभूषणसूरीजी (पंडित म.सा.) के सान्निध्य में दीक्षा लेने वाले है शहर में पहुंचे।

उनके सम्मान में शहर के कल्याण मित्र परिवार द्वारा शहर के किम्स सभागार में रविवार को शाम को युवाओं को दीक्षा जीवन के विभिन्न पहलुओं की युक्तिसंगत समझ से परिचित कराने के लिए 'विजय प्रस्थान' नामक सम्मान समारोह आयोजित किया गया है जिसमें दीक्षार्थियों के साथ संवाद के माध्यम से उनके विचारों को दर्शकों के साथ साझा किया जाएगा। इसके अलावा आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. की निश्रा में सुबह 9 बजे श्री संभवनाथ जैन मंदिर,वीवी पुरम से मुमुक्षुओं का वर्षीदान वरघोड़ा प्रारंभ होगा जो विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री सिमंधर शांतिसूरी जैन संघ में पहुंचेगा जहाँ प्रासंगिक प्रवचन के पश्चात् संघ द्वारा मुमुक्षुओं का सम्मान किया जाएगा।

'जीतो' नॉर्थ टीम ने किए साध्वीश्री सिद्धप्रभा के दर्शन व लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया अपनी पूरी टीम के साथ विजयनगर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर जीतो महामंत्री विजय सिंघवी को जीतो के सेवा, शिक्षा और आर्थिक सुदृढ़ता की जानकारी दी। चेयरमैन विमल कटारिया ने अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि विजयनगर के उपकारों का स्मरण करते हुए कहा कि इस क्षेत्र का मुझ पर अनंत उपकार है क्योंकि इस भवन से ही एक बैनर को बनाने से लेकर जीतो चेयरमैन तक के सफर तय किया है।

इस अवसर पर विजयनगर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने पूरी जीतो टीम का अभिनंदन किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने विचार रखे। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने जीतो टीम को अपने कार्य करने में कुछ सुझाव दिए और क्रियान्वित करने को कहा। साध्वीश्री ने जीतो के शिक्षा प्रयास की सराहना की। विवाह पर अनावश्यक खर्च से बचने के सुझाव दिए। कुव्यवसायों के प्रति जागरूकता फैलाने पर ज़ोर डाला, जिसकी पूरी टीम ने अनुमोदना की। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ के मंत्री मदन जैन, मीडिया प्रभारी अरविंद टपरावत, सतीश पोरवाड़, राकेश पोखरणा, सुनील लोढ़ा, सुरेश गन्ना आदि उपस्थित थे।

चातुर्मास समाप्ति पर गणेश बाग में हुए संतश्री लोकाशाह और जैन दिवाकर चौथमल के गुणस्मरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने लोकाशाह जयंती के अवसर पर कहा कि स्थानकवासी जैन धर्म में अद्भुत क्रान्तिकारी वीर लोकाशाह ने 500 वर्ष पहले की थी। अहिंसा पर स्थानक धर्म (लुकागच्छ की स्थापना हुई) की नींव पड़ी थी।

लेखन कला अति सुन्दर होने से पाट्टण मेहसाणा गुजरात में उस समय के पुस्तक हस्तलिपि थे। शास्त्रों में जीर्णता होते देख यतिवर्यो ने उन लोकाशाह से कहा कि आप शास्त्रों का पुनः लिपिबद्ध कीजिए।

संतश्री ने जैन दिवाकरश्री चौथमलजी के 147वें जन्मदिवस पर उनके व्यक्तित्व-कृतित्व को याद करते हुए कहा कि चौथमलजी एक जीवदया प्रेमी व अहिंसा प्रेमी संत थे। उनके प्रवचन श्रवण मात्र से नई क्रांति का संचार होता था। चातुर्मास समाप्ति पर अनेक वक्ताओं ने गणेश बाग की तरफ से मुन्नालाल डूंगरवाल स्वाध्यायी वरिष्ठ विमलचंद कांठेड, इंदु कटारिया, महामंत्री संपतराज मांडोत ने चातुर्मास समाप्ति पर मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा सभी का स्वागत किया।

डेटा का ज्यादा इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं से अधिक शुल्क लिया जाए : वोडाफोन आइडिया सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार शुल्क (टैरिफ) में और बढ़ोतरी की वकालत करते हुए वोडाफोन आइडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि डेटा का अधिक उपभोग करने वाले ग्राहकों को अधिक भुगतान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग को उचित रिटर्न मिल सकेगा और समाज के सभी वर्गों को 'कनेक्टिविटी' सुनिश्चित हो सकेगी।

ट्रंप की जीत के बाद आकर्षण गंवा रहा है सोना, चार दिन में चार प्रतिशत टूटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एपी। इस साल ज्यादातर समय सोने की कीमतों में तेजी रही। हालांकि, अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद पीली धातु का आकर्षण कम हो रहा है और इसकी कीमतों में गिरावट आ रही है।

चुनाव के दिन से लेकर अब तक चार दिन में सोने की कीमत में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, जबकि व्यापक अमेरिकी शेयर बाजार में लगभग चार प्रतिशत की तेजी आई थी। ऐसा तब है जब निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि व्हाइट हाउस कर दरों को कम करेगा और शुल्क बढ़ाएगा। ऐसा संयोजन अमेरिकी सरकार के कर्ज और मुद्रास्फीति को बढ़ा सकता है। ये दोनों ही चीजें सोने की कीमत में मदद कर सकती हैं।

सोमवार देर रात तक सोने की कीमत 2,618 डॉलर प्रति औंस पर थी, जो पिछले महीने के आखिर में लगभग 2,800 डॉलर के रिकॉर्ड से कम है। इसका मतलब यह भी है कि सोने ने साल के सबसे अच्छे प्रदर्शन वाले निवेश के रूप में अपनी चमक खो दी है। सोने की कीमत पर नज़र रखने वाले सबसे बड़े एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड ने वर्ष 2024 के लिए अपने लाभ को कुछ सप्ताह पहले के लगभग 35 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत से नीचे आते देखा है।

क्या हो रहा है? गिरावट का एक हिस्सा अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के साथ मेल खाता है। अमेरिका द्वारा शुरू किए गए शुल्क और व्यापार युद्ध, यूरो और अन्य

देशों की मुद्राओं के मूल्य को नीचे धकेल सकते हैं, और एक मजबूत अमेरिकी डॉलर उन अन्य मुद्राओं का उपयोग करने वाले खरीदारों के लिए सोना खरीदना अधिक महंगा बनाता है।

कम करों और उच्च शुल्क के लिए ट्रंप की प्राथमिकता भी वॉल स्ट्रीट को इस बात की उम्मीदों को कम करने के लिए मजबूर कर रही है कि फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कितनी कटौती करेगा। कम दर कटौती का मतलब होगा कि सरकारी बॉन्ड पहले की अपेक्षा अधिक ब्याज देगा, और यह बदले में सोने की कीमत को नुकसान पहुंचा सकता है।

बेशक, दुनिया भर में अस्थिरता के दौरान सोना अब भी निवेशकों के लिए एक सुरक्षित निवेश विकल्प है। चाहे वह युद्ध या राजनीतिक संघर्ष के कारण हो, निवेशक अक्सर सोने की ओर आकर्षित होते हैं। ऐसा तब होता है जब वे अन्य निवेश के बारे में आश्वस्त नहीं होते हैं।

पश्चिम एशिया, यूक्रेन और अन्य जगहों पर युद्ध अब भी जारी है, जबकि राजनीतिक तनाव भी पहले की तरह ही उच्चस्तर पर है, ऐसे में सोना संभवतः कई निवेशकों के पोर्टफोलियो में बना रहेगा। बड़े संस्थागत निवेशकों के लिए निवेश को संभालने वाली कंपनी रोबेको के कोष प्रबंधकों के अनुसार, ''सोना निवेशकों और केंद्रीय बैंकों दोनों के लिए पसंदीदा सुरक्षित निवेश विकल्प बना हुआ है।''

कच्चे तेल के अधिक उत्पादन से कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता और आयातक देश भारत उम्मीद कर रहा है कि अमेरिका और कनाडा जैसे पश्चिमी देशों में कच्चे तेल का अधिक उत्पादन होने से बाजार में शांति होगी और कीमतों में स्थिरता आएगी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 12वें पीएसई शिखर सम्मेलन में पुरी ने कहा कि पश्चिमी गोलार्ध के देश अधिक उत्पादन कर रहे हैं, जिससे पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन 'ओपेक' को भी उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रभावित किया जा सकता है। इससे वे अधिक कमाई कर सकेंगे। तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को परेशान करता है क्योंकि उन्हें न केवल ईंधन खरीदने पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है, बल्कि इससे मुद्रास्फीति भी आती है जो उनके लोगों की क्रय शक्ति को कम करती है। आज पश्चिमी गोलार्ध से वैश्विक बाजार में अधिक उत्पादन आ रहा है। ब्राजील, गुयाना, कनाडा और अमेरिका अधिक उत्पादन कर रहे हैं... अधिक से अधिक तेल आने के कारण, उम्मीद है कि बाजार की स्थिति शांत हो जाएगी। इससे कुछ हद तक उन उत्पादकों को भी लाभ होगा जिन्होंने तेल उत्पादन में कटौती की है, ताकि अधिक राजस्व अर्जित करने के लिए अधिक उत्पादन किया जा सके। कच्चे तेल निर्यातक देशों के संगठन और रूस के नेतृत्व वाले सहयोगी (संयुक्त रूप से ओपेक+) ने 2022 के अंत से कीमतों को बढ़ाने और मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन में भारी कटौती की है।

सोने के आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग का 18 और जिलों तक विस्तार

मानकः पथप्रदर्शकः

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को सोने के आभूषणों और सोने की कलाकृतियों की अनिवार्य हॉलमार्किंग के चौथे चरण की शुरुआत की घोषणा की, जिसमें अतिरिक्त 18 जिले शामिल हैं। अनिवार्य हॉलमार्किंग का काम 23 जून, 2021 को शुरू हुआ था। उसके बाद से अबतक 40 करोड़ से अधिक सोने के आभूषणों की विशिष्ट पहचान (आईडी) के साथ हॉलमार्किंग की गई है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए अधिक विश्वास और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

एक सरकारी बयान में कहा गया है कि चौथा चरण पांच नवंबर से प्रभावी है, जिसमें आंध्र प्रदेश, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 18 जिले शामिल हैं।

चौथे चरण के कार्यान्वयन के साथ, अनिवार्य हॉलमार्किंग के अंतर्गत आने वाले जिलों की कुल संख्या अब 361 हो गई है।

सरकार की पहल से पंजीकृत ज्वेलर्स की संख्या 34,647 से बढ़कर 1,94,039 हो गई है और परख और हॉलमार्किंग केंद्रों की संख्या 945 से बढ़कर 1,622 हो गई है।

दर निर्धारण में खाद्य मुद्रास्फीति का इस्तेमाल 'गलत सिद्धान्त', ब्याज दर घटाए आरबीआई : गोयल

मुंबई/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए और वृद्धि को गति देनी चाहिए। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) से राजनेता बने गोयल ने सीएनबीसी टीवी18 द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति के कारण आरबीआई दर निर्धारण में दो साल तक कोई भी कार्रवाई नहीं कर पाया है। ब्याज दर तय करने में खाद्य मुद्रास्फीति का उपयोग एक 'दोषपूर्ण सिद्धांत' है। गोयल ने कहा, मेरा मानना है कि उन्हें ब्याज दर में कटौती करनी चाहिए। वृद्धि को और बढ़ावा देने की जरूरत है। हम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं, हम और भी बेहतर कर सकते हैं। बाद में इसी कार्यक्रम में आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास ने वरिष्ठ मंत्री के सुझाव पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति दिसंबर के पहले सप्ताह में होने वाली अपनी अगली बैठक में उचित निर्णय लेगी। गोयल की मांगों को वित्त उद्योग के दिग्गज दीपक पारेख ने भी समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि आरबीआई को रेपो दर में कटौती करनी चाहिए तथा नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) पर विचार करना चाहिए।

स्थानीय निकायों को अपने संसाधन जुटाने पर भी ध्यान देना चाहिए : पनगढ़िया

नई दिल्ली/भाषा। ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों को अपने संसाधन जुटाने पर ध्यान देना चाहिए और इससे नागरिकों को स्थानीय निकायों से उनकी अपेक्षाओं और मांगों के संदर्भ में संगठित किया जा सकेगा। 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन अरविंद पनगढ़िया ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

पनगढ़िया ने पंचायती राज मंत्रालय द्वारा 'वितरण से विकास' विषय पर आयोजित वित्त आयोगों के एक दिन के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों की मांगों में मेल देखा जा रहा है। सम्मेलन में प्रणालीगत चुनौतियों के समाधान पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श, राज्य वित्त आयोगों का समय पर गठन, सिफारिशों का कार्यान्वयन और पंचायती राज संस्थाओं को धन का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। सम्मेलन में पंचायतों के बीच वित्तीय स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। पनगढ़िया ने कहा कि स्थानीय निकायों को अपने स्वयं के संसाधन जुटाने पर भी विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, सेवा प्रावधान के दृष्टिकोण से कुछ स्वयं के संसाधन जुटाना भी महत्वपूर्ण है... जब नागरिक करों का भुगतान करते हैं, तो वे उन सेवाओं के बारे में भी जानते हैं जो उन्हें प्रदान की जानी चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह स्थानीय स्तर पर कार्यों के हस्तांतरण का तर्क भी है। स्थानीय लोगों को पता है कि उन्हें किसकी जरूरत है और क्या चाहिए। यह ज्ञान एक अधिक सक्रिय मांग में बदल जाएगा।

खुदरा दुकानदारों के लिए चुनौती बन गया है त्वरित वाणिज्य, राजनीतिक मुद्दा बनेगा : कोटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वित्तीय सेवा क्षेत्र के दिग्गज उदय कोटक ने बृहस्पतिवार को कहा कि त्वरित वाणिज्य (क्विक कॉमर्स) कारोबार की सफलता खुदरा दुकानदारों के लिए एक चुनौती बन गई है और यह एक राजनीतिक मुद्दा बनेगा।

सीएनबीसी टीवी18 द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोटक ने भारतीय कारोबार क्षेत्र को स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यापार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, त्वरित वाणिज्य ने स्थानीय खुदरा विक्रेता के लिए चुनौती पेश की है और यह चुनौती राजनीतिक मोर्चे पर भी आएगी।

इससे एक दिन पहले ही त्वरित वाणिज्य क्षेत्र की प्रमुख कंपनी स्विगी शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई है।

निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक और गैर-कार्यकारी निदेशक ने कहा कि

भारत दुनिया का एक अनूठा देश है, जहां त्वरित सेवा सफल रही है, जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में यह मॉडल उतना प्रभावी नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक सकारात्मक संकेत है, जहां भारतीय नवाचार जमीनी स्तर पर काम कर रहा है और इसमें से कुछ मूल्य सृजन वास्तव में वास्तविक और टिकाऊ है।

कोटक ने कहा कि हालांकि, भारत में अभी तक एप्पल, मेटा, यूनीलिवर आदि जैसे उपभोक्ता ब्रांड उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, जो किसी भी विकसित देश या क्षेत्र में प्रमुख विशेषता हैं। उन्होंने भारतीय व्यवसायों से उत्पाद और रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

कांग्रेस का सरकार पर हमला:
अगर उन्हें डेटा अनुकूल नहीं लगा तो वे उसे ही बदल देंगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की इस टिप्पणी को लेकर केंद्र पर निशाना साधा कि दरों में कटौती का फैसला करने के लिए खाद्य मुद्रास्फीति पर विचार करना त्रुटिपूर्ण सिद्धांत है। कांग्रेस ने कहा कि सरकार को केवल एक ही तरकीब आती है कि अगर डेटा उनके अनुकूल नहीं है तो डेटा को पूरी तरह बदल दिया जाए। विपक्षी पार्टी की यह टिप्पणी गोयल के इस बयान के बाद आई है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निश्चित रूप से ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए।

गोयल ने सीएनबीसी-टीवी18 ग्लोबल लीडरशिप समिट में कहा, ''आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए। दरों में कटौती का फैसला करने के लिए खाद्य मुद्रास्फीति पर विचार करना त्रुटिपूर्ण सिद्धांत है। यह मेरा निजी विचार है, सरकार का नहीं।'' इसी कार्यक्रम में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने ब्याज दरों में कटौती के गोयल के सुझाव पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि दर निर्धारण समिति दिसंबर में अपनी अगली बैठक में इस पर उचित निर्णय लेगी। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि एक वरिष्ठ और प्रभावशाली मंत्री सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि आरबीआई को ब्याज दरें निर्धारित करते समय खाद्य मुद्रास्फीति पर विचार नहीं करना चाहिए। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बयान अत्यधिक असंवेदनशीलता दर्शाता है। खाद्य मुद्रास्फीति पिछले कुछ समय से बहुत अधिक है और दोहरे अंकों को पार कर गई है। यह भारतीय परिवारों के बजट का एक बहुत बड़ा घटक है, और मौद्रिक नीति दरें निर्धारित करते समय इस पर विचार किया जाना चाहिए।''

भड़काऊ भाषणों के खिलाफ कार्रवाई संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई से न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उस जनहित याचिका की सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें सार्वजनिक हस्तियों द्वारा दिए गए भड़काऊ भाषणों के खिलाफ तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि ये बयान राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और विभाजनकारी विचारधाराओं को बढ़ावा देते हैं।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों और गलतबयानी के बीच अंतर होता है। इसके साथ ही इसने जनहित याचिका दायर करने वाली 'हिंदू सेना समिति' के वकील से कहा कि शीर्ष अदालत इस

मामले में नोटिस जारी करने को लेकर इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा, ''हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत वर्तमान रिट याचिका पर विचार करने को लेकर इच्छुक नहीं हैं, जो वास्तव में 'कथित बयानों' को संदर्भित करता है। इसके अलावा, भड़काऊ भाषण और गलतबयानी के बीच अंतर है... यदि याचिकाकर्ता को कोई शिकायत है, तो वे कानून के अनुसार इस मामले को उठा सकते हैं।'' पीठ ने कहा कि वह मामले के गुण-दोष पर टिप्पणी नहीं कर रही है। जनहित याचिका में न्यायालय से भड़काऊ भाषणों को रोकने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने और सार्वजनिक व्यवस्था तथा राष्ट्र की संप्रभुता को खतरे में डालने वाले बयान देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता कुंवर आदित्य सिंह और स्वतंत्र राय ने कहा कि नेताओं की टिप्पणियां अक्सर उकसावे वाली होती हैं, जिससे संभावित रूप से सार्वजनिक अशांति फैल सकती है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के बयान को लेकर कांग्रेस और भाजपा में वाकयुद्ध छिड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस बयान पर कांग्रेस और भाजपा के बीच बृहस्पतिवार को वाकयुद्ध छिड़ गया कि राज्य में विपक्षी दल ने उनकी सरकार को गिराने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के 50 विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। सिद्दरामय्या ने मैसूरु में कार्यक्रम में कहा था कि ''कांग्रेस के किसी विधायक ने यह पेशकश स्वीकार नहीं की''। उन्होंने भाजपा पर उन्हें हटाने और उनकी सरकार को ''उखाड़ फेंकने'' के प्रयास में उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का भी आरोप लगाया था। भाजपा ने सिद्दरामय्या पर निशाना साधते हुए इसे 'निराधार आरोप' बताया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से आरोप के आधार का खुलासा करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं रह गया है इसलिए वह झूठे आरोप लगा रहे हैं।

विजयेंद्र ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री यह साबित करने में विफल रहते हैं कि 50 कांग्रेस विधायकों में से हर एक को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी, तो लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेंगे। सिद्दरामय्या ने विजयेंद्र के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं उन पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। आप मुझसे उस व्यक्ति के बारे में क्यों पूछते हैं जो अभी हाल में (राजनीति में) आये हैं?''

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए सिद्दरामय्या इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं जिससे इसकी गरिमा कम हो रही है। उन्होंने कहा, आपकी अपनी सरकार और अपनी जांच एजेंसियां हैं। इसलिए, यह आपकी नैतिक जिम्मेदारी है कि आप लोगों को 50 करोड़ रुपये के रिश्वत के आरोप का स्रोत बताएं। अन्यथा, आपका बयान एक बचकाना राजनीतिक बयान से ज्यादा कुछ नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जानी चाहिए तथा प्रवर्तन निदेशालय को इसे तत्काल अपने हाथ में लेकर जांच करनी चाहिए। पूर्व मंत्रियों वी सुनील कुमार और सी टी रवि ने ''निराधार आरोप'' लगाने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस दावे का समर्थन किया कि भाजपा ने 50 विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश करके राज्य सरकार को ''गिराने' की कोशिश की थी।

संवाददाताओं को यहां संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, भाजपा ने वास्तव में 50 कांग्रेस विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये का प्रलोभन दिया।

मंत्रियों जी. परमेश्वर, एन चालुवरया स्वामी, संतोष लाड और के एस राजन्ना ने मुख्यमंत्री का समर्थन किया। परमेश्वर ने कहा, उनके इस बयान का कोई मतलब है। भाजपा और जद (एस) लगातार इस सरकार को गिराने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। उनके सारे अभियान इस सरकार को अस्थिर करने के लिए हैं।

केंद्र ने कर्नाटक सरकार को मदरसा खाली कराने का निर्देश देने का उच्च न्यायालय से अनुरोध किया

बेंगलूरु। केंद्र सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय से श्रीरंगपटना के ऐतिहासिक जामा मस्जिद परिसर में स्थित मदरसे को खाली कराने का मंड्या जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया है। वक्फ बोर्ड ने इस कदम का विरोध करते हुए मस्जिद को अपनी संपत्ति करार दिया है और वहां मदरसा के संचालन के अधिकार का बचाव किया है। कनकपुरा तालुक के कब्बालू गांव के अभिषेक गौड़ा नामक व्यक्ति द्वारा दायर जनहित याचिका के बाद यह मामला मुख्य न्यायाधीश एन. वी. अंजारिया की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। याचिका में मस्जिद के भीतर अनधिकृत रूप से मदरसा गतिविधियों के संचालन का आरोप लगाया गया है।

केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. अरविंद कामथ ने दलील दी कि जामा मस्जिद को 1951 में संरक्षित स्मारक के रूप में नामित किया गया था, लेकिन अब भी वहां अनधिकृत मदरसा का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था की चिंताओं के कारण अब तक किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जा सका है।

कामथ ने अदालत से मंड्या जिला प्रशासन को कार्रवाई करने और मस्जिद से मदरसा हटाने का निर्देश देने का आग्रह किया। राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड के वकीलों ने इस अनुरोध का विरोध किया, जिसमें कहा गया है कि वक्फ बोर्ड को 1963 से संपत्ति के मालिक के रूप में मान्यता दी गई है और इस प्रकार, वहां मदरसा गतिविधियों का संचालन करना वैध है। खंडपीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अगली सुनवाई के लिए 20 नवंबर की तारीख निर्धारित की। उसी दिन आगे की बहस जारी रहेगी।

मंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में हिंदुत्व कार्यकर्ता गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान को कथित तौर पर धमकी देने और उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक हिंदुत्व कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में पुनीत केरेहल्ली ने कांग्रेस उम्मीदवार सी.पी. योगीश्वर के लिए प्रचार करते हुए खान द्वारा केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी को कालिया' कहे जाने पर, उनकी आलोचना की थी।

आईटीआई लिमिटेड

सीआईएन सं: एल32202केए1950जीओआई000640
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: आईटीआई भवन, दूरवाणीनगर, बेंगलूरु - 560016
वेबसाईट : www.itiltd.in; ई-मेल: cosecy_crp@itiltd.co.in
दूरभाष: +91(80) 2561 7486; फैक्स: +91 (80) 2561 7525

30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही की समाप्ति पर समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

लाख रु. में सिवाए प्रति शेयर ऑकड़े

क्रम सं.	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त छमाही		समाप्त वर्ष
		30.09.2024	30.06.2024	30.09.2023	30.09.2024	30.09.2023	31.03.2024
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1.	प्रचालन से कुल आय	103,087	53,502	25,608	156,589	42,611	130,813
2.	कर से पहले की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पहले कर)	(6,920)	(6,461)	(12,580)	(13,381)	(22,840)	(56,906)
3.	कर के पूर्व निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(7,033)	(9,131)	(12,601)	(16,164)	(22,882)	(56,892)
4.	कर के पश्चात की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(7,033)	(9,131)	(12,601)	(16,164)	(22,882)	(56,892)
5.	अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	530	(530)	(1,520)	-	(3,040)	(2,121)
6.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ / (हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(6,503)	(9,661)	(14,121)	(16,164)	(25,922)	(59,013)
7.	इक्विटी शेयर पूँजी का भुगतान	96,089	96,089	96,089	96,089	96,089	96,089
8.	अन्य इक्विटी (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ को शामिल किए बिना) जैसा कि पिछले वर्ष की लेखापरीक्षित तुलन-पत्र में दिखाया गया है।	66,182	72,685	115,437	66,182	115,437	82,346
9.	अर्जन प्रति शेयर (10रू./प्रति) (जारी रखने एवं बंद किए गए कार्यों के लिए)						
	1. बेसिक (रू. में)	(0.73)	(0.95)	(1.31)	(1.68)	(2.39)	(5.93)
	2. डायल्युटेड (रू. में)	(0.73)	(0.95)	(1.31)	(1.68)	(2.39)	(5.93)

टिप्पणी :

क) उपर्युक्त वित्तीय परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा 14.11.2024 को समीक्षा की गई और संस्तुति के पश्चात् निदेशक मंडल द्वारा 14.11.2024 को संपन्न बैठक में अनुमोदित किए गए।

ख) स्टैंडअलोन कुंजी की वित्तीय जानकारी :

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त छमाही		समाप्त वर्ष
	30.09.2024	30.06.2024	30.09.2023	30.09.2024	30.09.2023	31.03.2024
	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
प्रचालन से कुल आय	101,620	51,998	24,647	153,618	40,351	126,363
कर के पूर्व लाभ	(7,011)	(9,108)	(12,580)	(16,119)	(22,840)	(56,906)
कर के पश्चात लाभ	(7,011)	(9,108)	(12,580)	(16,119)	(22,840)	(56,906)
अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	530	(530)	(1,520)	-	(3,040)	(2,121)
अवधि के लिए कुल व्यापक आय अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल	(6,481)	(9,638)	(14,100)	(16,119)	(25,880)	(59,027)

ग) उपर्युक्त स्टॉक एक्सचेंजों के सम्मुख सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत प्रस्तुत 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही और छमाही की समाप्ति पर वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का उद्धरण है। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही एवं छमाही की वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बीएसई लिमिटेड की वेबसाईट www.bseindia.com पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाईट www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाईट www.itiltd.in पर उपलब्ध है।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते आईटीआई लिमिटेड

स्थान: बेंगलूरु
दिनांक: 14.11.2024

राजीव श्रीवास्तव
निदेशक वित्त एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी

अदालत ने बेलेकेरी लौह अयस्क मामले में कांग्रेस विधायक की जेल की सजा निलंबित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेलेकेरी लौह अयस्क मामले में कांग्रेस विधायक सतीश सैल की सात साल की जेल की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने बुधवार को सैल और कई अन्य सह-आरोपियों द्वारा दायर अपील पर यह निर्देश दिया। सैल और कई अन्य सह-आरोपियों ने जनप्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी।

विशेष अदालत ने इससे पहले बेलेकेरी बंदरगाह से लौह अयस्क के अवैध निर्यात से संबंधित कई मामलों में सैल और अन्य को दोषी दिया था। अदालत ने आरोपियों को उनकी संलिप्तता के लिए दोषी ठहराते हुए उन्हें जेल की सजा सुनाई थी तथा जुर्माना भी लगाया था।

सजा को निलंबित करने के आदेश के तहत उच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी कि सैल और सह-अभियुक्त को जुर्माने की राशि का 25 प्रतिशत छह सप्ताह के भीतर अधीनस्थ अदालत में जमा करना होगा। मूल सजा में सैल और उनकी स्वामित्व वाली मल्लिकार्जुन 'शिपिंग कंपनी' को 25 अक्टूबर को दोषी ठहराया गया था। यह मामला 2008 और 2013 के बीच कर्नाटक के बेलेकेरी बंदरगाह से अवैध लौह अयस्क निर्यात की व्यापक जांच का हिस्सा है।

मानसिक रोगी ने ब्रिज पर किया 'ड्रामा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रिचमंड सर्कल जंक्शन पर बने फ्लाईओवर पर गुरुवार को एक व्यक्ति ने कूदने की कोशिश की जिसे नाकाम कर दिया गया। जानकारी के अनुसार वेंकटराजू (37) अपने परिजनों के साथ इलाज के लिए निम्हांस गए हुए थे वापस में आने के समय जब वह फ्लाईओवर पर पहुंचे तो उन्होंने कार को रूकवाया और ब्रिज के ऊपर से कूदने लगे उस दौरान उनका जेब में रखा फोन नीचे गिर गिया। वह फोन को देखने लगे तभी कार में बैठे परिजनों ने आकर एवं वहां से गुजर रहे एक पुलिस कर्मी की मदद से उन्हें रोका और कार में बिठाकर अशोकनगर पुलिस स्टेशन ले गए। जहां उन्हें समझाएश कर घर भेजा। वह अपना इलाज निम्हांस अस्पताल में करवा रहे हैं।

विदेशी की होटल में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरटीनगर पुलिस थाना क्षेत्र में मालद्वीप से आए एक विदेशी की होटल में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुहेल (43) 10 नवम्बर को बेंगलूरु आए थे। उन्होंने यहां एक होटल में रूम बुक किया। प्रतिदिन वह सुबह नाश्ता आदि करते और काम पर बाहर चले जाते थे। 12 को सुबह जब उन्होंने रूम का दरवाजा नहीं खोला। तो मैनेजर ने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने आकर दरवाजा खोला तो वह कमरे में मृत पाए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएस रामय्या अस्पताल भेजा गया। सुहेल के परिजनों को पुलिस ने मामले की जानकारी दी।

दो महिलाओं सहित छह विद्वानों ने इस साल का इन्फोसिस पुरस्कार जीता

बेंगलूरु। अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर विज्ञान, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, गणितीय विज्ञान और भौतिक विज्ञान विषयों के लिए इन्फोसिस पुरस्कार-2024 की घोषणा कर दी गयी है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के छह विजेताओं में दो महिला वैज्ञानिक शामिल हैं। बेंगलूरु में इन्फोसिस साइंस फाउंडेशन (आईएसएफ) द्वारा बृहस्पतिवार को इन पुरस्कारों की घोषणा की गई। यह पुरस्कार आईएसएफ द्वारा 2009 में शुरू किए गए थे। इस वर्ष पुरस्कार के लिए चुनी गई दो महिलाओं में गणितीय विज्ञान के लिए नीना गुप्ता और भौतिक विज्ञान के लिए वेदिका खेमानी शामिल हैं।

नीना गुप्ता भारतीय सांख्यिकी संस्थान-कोलकाता में सैद्धांतिक सांख्यिकी और गणित इकाई में प्रोफेसर हैं। गुप्ता को 'जारिस्की कैंसलेशन प्रॉब्लम' पर उनके काम के लिए सम्मानित किया गया, जो गणित की बीजीय ज्यामिति में एक मौलिक समस्या है। इसे पहली बार 1949 में ऑस्कर जारिस्की द्वारा प्रस्तुत किया गया था। ऑस्कर जारिस्की को आधुनिक बीजीय ज्यामिति के संस्थापकों में से एक माना जाता है।

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वेदिका खेमानी को सैद्धांतिक और प्रायोगिक गैर-संतुलन क्वांटम पदार्थ में उनके व्यापक और अभूतपूर्व योगदान के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

बेलगावी-धारवाड़ नई रेलवे लाइन परियोजना की समीक्षा की वी. सोमन्ना ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परियोजना के लिए बेलगावी जिले में कुल 600 एकड़ भूमि की आवश्यकता है, जबकि धारवाड़ जिले में 288 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। बेलगावी के उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने मंत्री को आश्वासन दिया कि बेलगावी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पटरी पर है, दिसंबर 2024 तक 80 प्रतिशत आवश्यक भूमि का अधिग्रहण होने की उम्मीद है।

बेलगावी। केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने बेलगावी-धारवाड़ नई रेलवे लाइन परियोजना की प्रगति का आकलन करने के लिए गुरुवार को बेलगावी में उपायुक्त कार्यालय में एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना बेलगावी और धारवाड़ के प्रमुख जिलों के बीच रेल संपर्क को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक के दौरान, इस बात पर चर्चा की गई कि परियोजना के लिए बेलगावी जिले में कुल 600 एकड़ भूमि की आवश्यकता है, जबकि धारवाड़ जिले में 288 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। बेलगावी के उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने मंत्री को आश्वासन दिया कि बेलगावी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पटरी पर है, दिसंबर 2024 तक 80 प्रतिशत आवश्यक भूमि का अधिग्रहण होने की उम्मीद है और जनवरी 2025 तक पूर्ण अधिग्रहण हो जाएगा। इस बीच, धारवाड़ जिले में, भूमि अधिग्रहण प्रगति पर है, 42 एकड़ के एक हिस्से को छोड़कर, जिसके लिए कर्नाटक राज्य सरकार सक्रिय रूप से भूमि का अधिग्रहण कर उसे जल्द से जल्द रेलवे को सौंप देगी।

वी. सोमन्ना ने परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए दोनों जिलों में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रयासों में तेजी लाने के निर्देश दिए, देरी से बचने के लिए समय सीमा का पालन करने और संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। बेहतर कनेक्टिविटी और सुरक्षा की सुविधा के लिए बेलगावी जिले में पांच रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और एक रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) बनाए जाएंगे। बैठक में दिव्या प्रभु, उपायुक्त धारवाड़ (वीडियो लिंक के माध्यम से शामिल), राहुल शिंदे, बेलगावी के जिला पंचायत सीईओ, और हर्ष खरे, हुब्बल्ली डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर, जे. सधर्म देव रॉयल, हुब्बल्ली के मुख्य अभियंता (निर्माण- खख), दक्षिण पश्चिम रेलवे और कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के वरिष्ठ अधिकारियों उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

हिएलि HAL

पंजीकृत कार्यालय : 15/1, कब्बन रोड, बेंगलूरु-560 001
सीआईएन : L35301KA1963GOI001622, टेली : 080-22320001
ई-मेल : investors@hal-india.co.in, वेबसाइट : www.hal-india.co.in

दिनांक 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही एवं छमाही हेतु लेखापरीक्षित स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों का विवरण

रु. लाख में

क्रम स.	विवरण	स्टैण्डअलोन					समेकित				
		समाप्त तिमाही		समाप्त छमाही		समाप्त वर्ष	समाप्त तिमाही		समाप्त छमाही		समाप्त वर्ष
		लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
		30-सितंबर-24	30-सितंबर-23	30-सितंबर-24	30-सितंबर-23	31-मार्च-24	30-सितंबर-24	30-सितंबर-23	30-सितंबर-24	30-सितंबर-23	31-मार्च-24
1.	प्रचालनों से प्राप्त कुल आय	5,97,655	5,63,581	10,32,412	9,55,115	30,38,084	5,97,629	5,63,570	10,32,379	9,55,105	30,38,108
2.	अन्य आय	54,400	47,098	1,28,164	88,177	1,89,854	54,241	46,937	1,27,876	87,931	1,89,660
3.	कुल आय	6,52,055	6,10,679	11,60,576	10,43,292	32,27,938	6,51,870	6,10,507	11,60,255	10,43,036	32,27,768
4.	उक्त अवधि हेतु निवल लाभ/ (हानि) (कर एवं असाधारण मदों से पूर्व)	1,99,668	1,65,005	3,57,885	2,73,918	10,19,897	2,01,681	1,65,142	3,60,053	2,74,045	10,22,488
5.	उक्त अवधि हेतु कर पूर्व निवल लाभ / (हानि) (असाधारण मदों के पश्चात)	2,00,257	1,65,005	3,58,474	2,73,918	10,19,897	2,02,270	1,65,142	3,60,642	2,74,045	10,22,488
6.	उक्त अवधि हेतु करोपरांत निवल लाभ / (हानि) (असाधारण मदों के पश्चात)	1,49,036	1,23,530	2,92,595	2,04,949	7,59,504	1,51,049	1,23,667	2,94,763	2,05,076	7,62,095
7.	उक्त अवधि हेतु कुल व्यापक आय [जिनमें उक्त अवधि हेतु लाभ/ (हानि) (करोपरांत) एवं अन्य व्यापक आय (करोपरांत) सम्मिलित हैं]	1,45,685	1,26,988	2,90,859	2,08,261	7,51,314	1,47,695	1,27,142	2,93,030	2,08,430	7,53,881
8.	समादत्त साम्या शेयर पूँजी (अंकित मूल्य-प्रत्येक रु.5)	33,439	33,439	33,439	33,439	33,439	33,439	33,439	33,439	33,439	33,439
9.	पुनः मूल्य निर्धारण आरक्षित निधि को छोडकर अन्य साम्या	-	-	-	-	28,71,203	-	-	-	-	28,80,378
10.	पूंजी मोचनार्थ आरक्षित निधि	-	-	-	-	14,761	-	-	-	-	14,761
11.	प्रति शेयर उपार्जन (प्रत्येक रु. 5/- अंकित मूल्य) (तिमाही एवं छमाही हेतु ईपीएस वार्षिकीकृत नहीं है) (रूपए में)										
	(i) मूल	22.28	18.47	43.75	30.65	113.57	22.59	18.49	44.08	30.66	113.95
	(ii) मिश्रित	22.28	18.47	43.75	30.65	113.57	22.59	18.49	44.08	30.66	113.95
12.	निवल मूल्य (प्रतिधारित उपार्जन सहित)	-	-	-	-	29,04,642	-	-	-	-	29,14,181

टिप्पणी :

1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीबद्ध बाध्यताएँ एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दायर तिमाही एवं छमाही तक हुए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम के विस्तृत प्रपत्र का सार है। तिमाही लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रपत्र स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट अर्थात् www.bseindia.com एवं www.nseindia.com और साथ ही कंपनी की वेबसाइट www.hal-india.co.in पर भी उपलब्ध है।
2. कंपनी ने इन स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अधीन विनिर्दिष्ट कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के अनुरूप तैयार किया है।
3. सांविधिक लेखापरीक्षकों ने दिनांक 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही एवं छमाही हेतु कंपनी के स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय विवरणों के संबंध में असंशोधित राय जारी की है।
4. वर्तमान अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप विगत अवधि के आँकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनःसमूहबद्ध / पुनःवर्गीकृत किया गया है।

स्थान : कानपुर
दिनांक : 14.11.2024

डॉ. डी.के. सुनील
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
DIN: 09639264

एसडीएम को थप्पड़ मारने के आरोप में निर्दलीय उम्मीदवार गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में मतदान के दौरान एक एसडीएम को थप्पड़ मारने के आरोप में देवली-उनियारा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को नाटकीय घटनाक्रम और हिंसा के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। बुधवार दोपहर उस समय तनाब बढ़ गया जब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर उपचुनाव लड़ रहे कांग्रेस के बागी नेता मीणा ने एसडीएम मालपुरा अमित चौधरी का कॉलर पकड़ा और उनको थप्पड़ जड़ दिया। बृहस्पतिवार को भी तनाव का माहौल रहा। यह पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया।

राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परिषद और संबद्ध सेवाओं के अधिकारी मीणा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कलम बंद हड़ताल पर चले गए जिसके कारण बृहस्पतिवार सुबह राज्य के सरकारी कार्यालयों में काम प्रभावित रहा। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात नहीं होगी तब तक वे हड़ताल पर रहेंगे। इससे गुस्साए मीणा के समर्थन भी उग्र हो गए। मतदान केंद्र के बाहर भड़की हिंसा में करीब 60 दोपहिया और 18 चार पहिया वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। यह हिंसा उस समय भड़की जब पुलिस ने मीणा और उनके समर्थकों को धरने पर बैठने से रोकने की कोशिश की।

हिंसा के बाद बृहस्पतिवार तड़के करीब 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर पथराव भी किया दिन चढ़ने के साथ ही तनाव बढ़ता गया। राज्य की राजधानी जयपुर से करीब 100 किलोमीटर दूर समरवता में हिरासत में लिए जाने के बाद कैमरामेन पर गुस्सा दिखाते हुए मीणा ने कहा, मैं आत्मसमर्पण नहीं करूंगा।

गांव में अंशात भीड़ को घूमते देखा जा सकता था, इसलिए पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। मीणा की गिरफ्तारी की योजना सावधानी से बनाई गई। पुलिस प्रशासन पूरी मजबूत के साथ तैनात किया गया जिसमें दंगा रोधी टीम के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे और उन्होंने फ्लैग मार्च किया। टोंक के पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने पुलिस दल को गांव में प्रवेश करने और मीणा को हिरासत में लेने का अंतिम निर्देश दिया।

मीणा की गिरफ्तारी के बाद उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव भी किया, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मीणा के कथित समर्थकों ने सड़कें जाम कर दीं, जिन्हें हटा दिया गया। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा, ये कोई भी हो सकते हैं... सरकार अपराध करने वालों के प्रति सख्त है। हम पूरी घटना की जांच करवा रहे हैं और रिपोर्ट मांगी गई है तथा जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक (अजमेर) ओम प्रकाश के अनुसार, मीणा के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित चार मामले दर्ज किए गए हैं। यह मामला तब शुरू हुआ जब एसडीएम चौधरी अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने समरावता गांव को देवली के बजाय उनियारा उप मंडल में शामिल करने की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था। लोगों का कहना है कि उनियारा उनके लिए सबसे नजदीक है। मीणा ग्रामीणों का समर्थन कर रहे थे। घटना के समय मतदान केंद्र के बाहर सैकड़ों लोग मौजूद थे। बाद में मीणा मतदान केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए और अपने समर्थकों से लाठी-डंडे लेकर इकट्ठा होने को कहा। मतदान समाप्त होने के बाद पुलिस ने मीणा और उनके समर्थकों से कहा कि वे वहां से चले जाएं, ताकि मतदान दल ईवीएम के साथ मतदान केंद्र से निकल सके। पुलिस ने कहा कि हालांकि वे हिंसक हो गए और पुलिस पर पथराव किया। गिरफ्तारी से पहले मीणा ने टोंक जिलाधिकारी सौम्या झा और पुलिस अधीक्षक सांगवान को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, गिरफ्तार किए गए सभी 60 लोग निर्दोष हैं। अगर किसी को सजा मिलनी चाहिए तो वह मुझे मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात एसडीएम भाजपा के कहने पर काम कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, उन्होंने (एसडीएम ने) 30 लोगों को कार्रवाई करने की धमकी देकर वोट दिलवाए। मैं खुद को रोक नहीं सका। मैंने उन्हें थप्पड़ मार दिया। यह सही है। उनकी इस हरकत को देखते हुए उन्हें और थप्पड़ मारे जाने चाहिए थे। आरएएस एसोसिएशन की महासचिव नीतू राजेश्वर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जो कुछ हुआ उसे बदर्शत नहीं किया जा सकता। राजेश्वर ने कहा, ऐसी घटना बर्दाश्त नहीं की जा सकती। एसडीएम अमित चौधरी को उस समय थप्पड़ मारा गया, जब वह निष्पक्ष रूप से अपना चुनाव कर्तव्य निभा रहे थे। एसोसिएशन बृहस्पतिवार को कलम बंद हड़ताल पर है। अन्य मांगों पर मुख्यमंत्री से मिलकर ज्ञापन देने के बाद हम हड़ताल समाप्त करेंगे। हमारी सभी मांगें संवैधानिक हैं। हम जनता के कामों में बाधा नहीं आने देना चाहते। देवली-उनियारा समेत सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कल बुधवार को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान हुआ और 23 नवंबर को मतगणना होगी।

टोंक में भीड़ ने संवाददाता और कैमरामैन पर हमला किया, कैमरा छीन कर जलाया

टोंक। राजस्थान के टोंक जिले में बृहस्पतिवार को हिंसा के दौरान 'पीटीआई' के एक संवाददाता और कैमरामैन को भीड़ ने हमला कर घायल कर दिया। वे देवली उनियारा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। इस हमले में संवाददाता अजीत शेखावत और कैमरामैन धर्मेंद्र कुमार बुरी तरह घायल हो गए। भीड़ ने उनका कैमरा भी छीन लिया और आग लगा दी। शेखावत द्वारा दिल्ली स्थित मुख्यालय को भेजे वीडियो में उनकी बाईं आंख के नीचे से खून बहता हुआ देखा जा सकता है। शेखावत ने अपने संपादकों को बताया कि उनके सहयोगी धर्मेंद्र के सिर पर चोट लगी है और उनके हाथ में भी 'फ्रेक्चर' संभव है। दोनों एक सहयोगी के वाहन से अस्पताल जा रहे हैं।

दोनों पर हमला उस समय हुआ जब वे कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का साक्षात्कार लेने वाले थे। मंत्री हालात का जायजा लेने के लिए हिंसाग्रस्त क्षेत्र में पहुंचे थे। यह हिंसा बुधवार शाम उस समय से जारी है जब पुलिस ने उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार कांग्रेस के बागी नेता नरेश मीणा के समर्थकों को धरने पर बैठने से रोकने की कोशिश की। इससे पहले बुधवार को नरेश मीणा ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात उप खंड मजिस्ट्रेट (मालपुरा) अमित चौधरी को थप्पड़ जड़ दिया था। यह घटना भी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई थी।

सरकार जल्द ही मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी और नई फार्मा पॉलिसी लॉन्च करेगी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में गुरुवार को राइजिंग राजस्थान स्वास्थ्य प्री-समिट में स्वास्थ्य, चिकित्सा और आयुष क्षेत्र के निवेशकों के साथ 16,176 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये। समिट में हुए एमओयू के साथ ही 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में हस्ताक्षरित कुल निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 25,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। राजनिवेश पोर्टल पर अब तक 57 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रीसमिट में किए गये एमओयू में चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए 14,000 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए, जबकि आयुष क्षेत्र में 2,157 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राजनिवेश पोर्टल पर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में अब तक प्राप्त 57,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के धरातल पर आने से राज्य में 6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। एमओयू के जरिए निवेशकों ने जयपुर, अजमेर, जोधपुर, राजसमंद, सीकर, सिरोही सहित विभिन्न जिलों में फार्मा इकाइयां, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, होम्योपैथी और आयुर्वेद कॉलेज, आयुष अनुसंधान पंचकर्म केंद्र, उन्नत आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

इस अवसर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित कर हमारी सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि हम न केवल एमओयू पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, बल्कि अगले 3-4 वर्षों में उन्हें धरातल पर भी उतारने जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के छोटे और बड़े सभी निवेशकों को स्वागत है, क्योंकि वे सभी जमीनी स्तर पर आम नागरिक की सेवा करेंगे और स्वस्थ एवं समृद्ध प्रदेश की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आयुष क्षेत्र में हुए 2,157 करोड़ रुपये के एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि हमने आयुष क्षेत्र में बड़ी संख्या में एमओयू किए हैं। आयुष न केवल भारत की विरासत और पहचान है, बल्कि यह दुनिया के सामने भारतीय संस्कृति और सदियों पुराने ज्ञान को भी प्रदर्शित करता है। दुनियाभर के लोग आयुष की ओर आकर्षित हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है। राज्य की 88% आबादी स्वास्थ्य बीमा के दायरे में है, जो देश में सबसे अधिक है। राज्य के 2024-25 के बजट में भी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के लिए अब तक का सबसे अधिक 28,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जो राज्य के कुल बजट का 8.26% से अधिक है। प्रदेश में मेडिकल वेल्यू ट्रेवल के क्षेत्र में भी काफी संभावनाएं है। इसे देखते हुए राज्य सरकार जल्द ही मेडिकल वेल्यू ट्रैवल पॉलिसी एवं फार्मा सेक्टर के विकास के लिए नई फार्मा पॉलिसी लाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा स्वास्थ्य का क्षेत्र सीधा जनसेवा से जुड़ा हुआ है। इसमें निवेश की गई एकएक पाई लोगों के दु:खदर्द दूर करने का काम करेगी और उनके चेहरों पर मुस्कान लाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योगदान देने वाला व्यक्ति मानवता की सेवा कर रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में एमओयू पर हस्ताक्षर किया जाना माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा पिछले 11 महीनों में शुरू की गई नीतियों के प्रभावों को दर्शाता है।

जनसुनवाई के लिए देर से पहुंचने पर मुख्यमंत्री को करना पड़ा लोगों के गुस्से का सामना

कोटा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बृहस्पतिवार को यहां सर्किट हाउस में आयोजित जनसुनवाई बैठक में शिकायतें सुनने के लिए एक घंटे देर से पहुंचने पर लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। बैठक सुबह आठ बजे शुरू होने वाली थी, लेकिन शोर-शराबे और भीड़ की नारेबाजी करने के कारण शर्मा करीब एक घंटे देरी से पहुंचे। बैठक स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने लगभग 20-25 मिनट तक लोगों की शिकायतें सुनीं, इस दौरान कई लोगों ने पुलिस की ओर से लापरवाही बरते जाने की शिकायत की।

स्थानीय निवासी सलोनी मित्तल ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पांच दिन पहले उनके पति पर कुछ अपराधियों के हमले के बारे में उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। जवाब में, मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन को मामले की जांच करने और पीड़िता की तुरंत मदद करने का निर्देश दिया। बैठक में, राजस्थान प्रशासनिक सेवा एसोसिएशन ने भजनलाल शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें देवली-उनियारा विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई, जिन्होंने मतदान के दौरान कैमरों के बीच एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट को थप्पड़ मारा था। बृहस्पतिवार को बाद में मीणा को गिरफ्तार कर लिया गया। संविदा कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई मंचों ने भी संविदा रोजगार समाप्त करने की मांग उठाई और इस संबंध में मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा।

जाटों को अलग करने के लिए किसान को जातियों में बांटने की साजिश : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुष्कर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जाट समाज को किसान वर्ग का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा है कि किसान समुदाय को बांटने की साजिश की जा रही है लेकिन किसान वर्ग को खंडित करने वालों के नापाक इरादे कभी कामयाब नहीं होंगे। धनखड़ गुरुवार को अजमेर के पुष्कर में 105वें राष्ट्रीय जाट अधिवेशन में अपने सम्बोधन में यह बात कही। उन्होंने किसान समुदाय को बांटने की साजिश करने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कई लोग ये भी बात कर रहे हैं, पता नहीं क्यों कर रहे हैं। सही रास्ता नहीं है उनका, वो किसान वर्ग के ही लोग हैं कि हम तो पैतीस बनाम एक कर देंगे। इस देश में कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ है जो किसान में विभाजन कर सके।

उन्होंने जाट समाज को देश में किसान समाज का महत्वपूर्ण अंग और किसान समाज की आत्मा के समान बताते हुए कहा किसान को जातियों में बांटने की एक साजिश है ताकि एक विशेष वर्ग जाटों को अलग कर दें। जाट किसान वर्ग की आत्मा है। इस आत्मा का संरक्षण हमको करना है।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि जाट समाज एक किसान समाज है और उसमें भाईचारे की पहचान किसान है एवं जाट हमेशा किसान के नाम से ही जाना जाता है एवं स्वयं उन्हें भी लोग किसान पुत्र के तौर पर ही जानते हैं। धनखड़ ने कहा किसानों के लिए मेरे घर के दरवाज़े 24 घंटे खुले हैं। जिस समाज ने मुझे इस पद पर भेजा है, उस समाज का मैं सबसे पहला सेवक हूँ, उस समाज की पूजा करने में कोई कमी नहीं आएगी और मेरा संकल्प है किसान वर्ग को खंडित करने की योजना करने वाले लोगों के नापाक इरादे कभी कामयाब नहीं हो सकते। धनखड़ ने किसान वर्ग का संगठित रहना राष्ट्रवाद के लिए जरुरी बताते हुए कहा कि किसान राष्ट्र का प्रतीक है, देश पर कोई भी संकट आएगा, किसान अपनी छाती पर झेलेगा। कुछ समस्याएं हैं, उन समस्याओं का निराकरण होना चाहिए। उसमें देरी हुई, वो हट सकती थीं। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा देश भर के किसानों को पुष्कर की इस भूमि से उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मैं एक सिपाही की तरह हूं और मेरे दरवाज़े चौबीसों घंटे खुले हैं। उन्होंने वीर तेजाजी, महाराजा सूरजमल , राजा महेंद्र प्रताप, नाथू राम मिर्धा की कीर्ति और यश का उल्लेख करते हुए आग्रह किया कि वे आने वाली पीढ़ी में नैतिक मूल्यों का सृजन करें और उन्हें सही रास्ता दिखाए। इसी के साथ उन्होंने अपने परिवार, कुटुंब, वातवरण का ख्याल रखने और अपने कर्तव्यों का पालन करने पर भी ज़ोर दिया।

धनखड़ ने किसानों से कृषि उत्पादों के विपणन और व्यापार में भी अपनी साझेदारी बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा किसान जो पैदा कर रहे है, बड़ी मुश्किलों पैदा कर रहे है। व्यापार में किसान क्यों नहीं है।

देवनानी पहुंचे सिंगापुर, भारतीय प्रवासियों ने किया अभिनन्दन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी गुरुवार को सिंगापुर पहुँचे। सिंगापुर में देवनानी का प्रवासी भारतीयों ने गर्मजोशी से स्वागत किया और सम्मान किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने सिंगापुर में प्रवासी भारतीयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कारवान व्यक्ति ही इंसान होता है। ऐसे व्यक्ति में करुणा, दया, प्रेम, इंसानियत, ईमानदारी और निष्ठा होती है। उन्होंने कहा कि केवल जीवन को जीना ही जिंदगी नहीं होनी चाहिए। सफल जिंदगी वहीं है, जिसमें हम अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से निभाते है।

देवनानी ने कहा कि भावी पीढी को संस्कार सिखायें। भावी पीढियों को संस्कार देने की जिम्मेदारी वर्तमान पीठी की है। भारतीय सनातन संस्कृति में परिवार व्यवस्था है। परिवार व्यवस्था के आधार संस्कार ही होते हैं। देवनानी ने कहा कि अच्छे परिवार की रचना करें। जहां परिवार के छोटे सदस्य परिवार के बड़े सदस्यों का आदर करें। परिवार में सभी एक- दूसरे का सम्मान करें। सभी लोग अपनी जिम्मेदारी समझें। भारतीय परिवारों में स्द्भाव का वातावरण ही उनकी पहचान है। एक व्यक्ति के संकट के समय पूरा परिवार मद्द के लिए इक्ठ्ठा हो जाता है, यह आपसी सदभाव का सबसे बड़ा उदाहरण है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढियों को सनातन परम्परा के गुण सिखाकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए वातावरण का निर्माण करें।

अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज पुरुषार्थी समाज है। सिंधी समाज के लोगों ने भारत राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दिया है। सिंधी समाज के लोगों ने अपनी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा से संसार के विभिन्न देशों में भारत का परचम लहराया है। सिंधी समाज के लोगों ने विदेशों में भी अपनी मेहनत के बल पर पहचान बनाई है। श्री देवनानी ने कहा कि सिंधी भाषा की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध है। सिन्धी के लगभग 70 प्रतिशतशब्द संस्कृत मूल के हैं। देवनानी ने कहा कि जब उनके पास राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री का दायित्व था, तब उन्होंने राजस्थान शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में राष्ट्रवादी विचारधारा को प्रमुखता देते हुए, वीर-वीरागनाओं की कहानियां जुडवायी। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप, वीर दुर्गादास राठौड, महाराजा दाहिरसेन, शहिद हेमू कालाणी, संत कंवरराम, संत टेऊराम जैसे महापुरूषों और स्वतंत्रता सैनानियों की जीवनी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

महापुरूषों का त्याग, बलिदान और उनके द्वारा राष्ट्र की रक्षा और सेवा के लिए किये गये कार्य लोगों के लिए मार्ग दर्शन साबित होते हैं। भारत वीर सपूतों की धरती है और यहां आजादी की लड़ाई में कई वीर-वीरांगनाओं ने अपना बलिदान दिया था। इसकी मिट्टी से होनहार बहादुर पैदा हुए हैं। 1857 के पहले स्वातंत्र्य समर से लेकर 1947 में देश आजाद होने तक पुरुषों के साथ महिलाएं भी डटी रहीं और जब आजाद भारत की अपनी लोकतांत्रिक सरकार बनी उस वक्त भी सशक्तिकरण की बात जब भी होती है तो महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की चर्चा ज़रूर होती है।

कबीर आश्रम से कबीर के विचारों को बढ़ावा मिलेगा : दिलावर

जोधपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री एवं जोधपुर जिले के प्रभारी मदन दिलावर ने कहा है कि कबीर आश्रम जैसे पवित्र स्थान से न केवल कबीर के विचारों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि यह समाज में भाई चारे और आपसी सौहार्द को भी प्रोत्साहित करेगा। दिलावर ने गुरुवार को यहां पीपाड़ सिटी में कबीर आश्रम के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि कबीरदास की शिक्षायें हमें सत्य, अहिंसा और प्रेम का मार्ग दिखाती हैं। उनकी सीख का अनुसरण करते हुए हम अपने समाज को एक नयी दिशा प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कबीर के विचारों को अपनाने और समाज में एकता और समर्पण का संकल्प लेने का लोगों का आह्वान किया। दिलावर ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा और पंचायत के क्षेत्र में सुधार लाने के लिये प्रतिबद्ध है और कबीर आश्रम के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

दूसरों के हिस्से का लाभ हड़प गई कांग्रेस : मोहन यादव

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस राज्य के नागरिकों के लाभ खुद हड़प गई, लेकिन छीनने की उसकी भूख अब भी बरकरार है। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के मेलघाट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली महायुति के लिए एक चुनावी रैली को यादव संबोधित कर रहे थे, जो कई दशकों से अपने निवासियों, विशेषकर बच्चों में व्यापक कुपोषण के कारण राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा है। यादव ने यह भी कहा कि कांग्रेस तब नाखुश थी जब इस साल जनवरी में अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण किया गया और प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

यादव ने लोगों से कहा, ''अगर उन्हें भगवान राम पसंद नहीं हैं, तो आपको पार्टी का 'राम नाम सत्य' (हिंदुओं के बीच अंतिम संस्कार से पहले की शव यात्रा के दौरान बोला जाने वाला वाक्य) सुनिश्चित करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं धर्म और सनातन संस्कृति के बारे में बोलता हूं तो उन्हें (कांग्रेस) अच्छा नहीं लगता। वे मुझसे पूछते हैं कि मैं धर्म के बारे में क्यों बोलता रहता हूं। तो क्या मुझे अधर्म के बारे में बोलना चाहिए? आप (कांग्रेस) कभी भी धर्म के बारे में बात नहीं करते क्योंकि आप धर्म में विश्वास नहीं करते।'' मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने केवल समस्याओं को हल करने की बात की है, लेकिन महायुति ने आगे बढ़कर लाड़की बहिन जैसी योजना लागू की। उन्होंने आरोप लगाया, ''भारत में महिलाओं ने अपनी पारिवारिक संस्कृति को सम्मान दिया है, लेकिन कांग्रेस इसे कभी नहीं समझेगी। वे बांग्लादेशी घुसपैठियों को चाहते हैं, जो हमारी आदिवासी और ओबीसी बेटियों के साथ लव जिहाद में लिप्त हैं।''

भाजपा सरकार माओवादियों के सफाये को प्रतिबद्ध : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोकारो/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को झारखंड की झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं की मदद करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही इसे रोकने का एकमात्र समाधान है।

बोकारो के बेरमो में एक रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''झामुमो, कांग्रेस और राजद रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को झारखंड में घुसने में मदद कर रहे हैं। वे आदिवासी लड़कियों से शादी करके यहां जमीन हड़प रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है।'' उन्होंने देश के 140 करोड़ नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए भाजपा सरकार को श्रेय दिया और आतंकवाद पर सरकार के कड़े रुख को दोहराया।

आदित्यनाथ ने कहा, ''मोदी के नेतृत्व में अयोध्या मुद्दे को दो साल में सुलझा लिया गया। उनके नेतृत्व में देश इतना शक्तिशाली हो गया है कि पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों ने हमें उकसाना बंद कर दिया है।'' उन्होंने लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा, ''दुनिया का सबसे शक्तिशाली नेतृत्व आपके साथ है, भारत को भड़काने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोंकी है और सरकार माओवादियों को खत्म करने के लिए तैयार है।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करके उन्हें विभाजित करने की योजना बना रहा है। आदित्यनाथ ने कहा, ''बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।''

आगामी 23 नवंबर को 'सोरेन एंड कंपनी' को विदाई दे देंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गिरीडीह (झारखंड)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा 23 नवंबर को 'सोरेन एंड कंपनी' को विदाई दे देगी।

शाह ने ये टिप्पणियां झारखंड में 20 नवंबर को दूसरे चरण के मतदान और 23 नवंबर को होने वाली मतगणना से पहले की ।

शाह ने गिरिडीह जिले के डुमरी में एक रैली में कहा, ''हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड में घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है, लेकिन मैं आपसे वादा करता हूं कि हर घुसपैठिए को बाहर निकाल दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''वे हमारी आदिवासी बेटियों के साथ कई शादियां कर रहे हैं और उनकी जमीन हड़प रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जमीन उन्हें वापस मिले और इसके लिए कानून लाएंगे।'' शाह ने सोरेन प्रशासन की आलोचना करते हुए उस पर भ्रष्टाचार और धन के गबन का आरोप लगाया।

शाह ने कहा, ''हेमंत सोरेन और उनकी कंपनी ने भ्रष्टाचार किया है और सार्वजनिक धन की लूट की है, लेकिन 23 नवंबर को उनकी विदाई हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि सत्ता के लिए सोरेन की बेचैनी ने उन्हें राजद-कांग्रेस गठबंधन के साथ गठबंधन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दावा किया कि राजद-कांग्रेस गठजोड़ ने झारखंड के निर्माण का विरोध किया था।

गृह मंत्री ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आ गई, तो वे राज्य में बड़ी संख्या में उद्योग स्थापित करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी युवा को रोजगार की तलाश में कहीं और पलायन करने की आवश्यकता नहीं हो। उन्होंने कहा, ''हम इतने उद्योग लगाएंगे कि किसी भी युवा को काम के लिए झारखंड छोड़ने की आवश्यकता नहीं होगी।''

महाराष्ट्र हाल के वर्षों में गलत हाथों में चला गया : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र गलत हाथों में चला गया है और इसकी स्थिति खराब हो गई है।

वह अपनी पार्टी के उम्मीदवार राहुल कलाटे के समर्थन में चुनाव प्रचार करने के लिए पुणे जिले के चिंचवड विधानसभा क्षेत्र में थे। कलाटे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा के शंकर जगताप के खिलाफ मैदान में हैं।

पवार ने कलाटे के समर्थन में एक रोड शो किया और एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र कभी देश में पहले स्थान पर था, लेकिन हाल के दिनों में यह गलत हाथों में चला गया है, जिससे राज्य की स्थिति खराब हो गई।'' राकांपा (एसपी) अध्यक्ष ने कहा कि चिंचवड निर्वाचन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का भी अभाव है। पुणे के निकट स्थित पिंपरी-चिंचवड इलाका एक औद्योगिक केंद्र है।

पवार ने कहा, ''सत्ता में रहने वालों ने पिछले 10 साल से कोई भी विकास परियोजना पूरी नहीं की। चिंचवड में बदलाव का समय आ गया है।'' उन्होंने लोगों से कलाटे को वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कलाटे बहुत अनुभवी हैं क्योंकि वह पहले इस क्षेत्र से पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि यहां अच्छे दिन फिर से आएंगे।'' चिंचवड निर्वाचन क्षेत्र में, भाजपा ने पार्टी के दिवंगत नेता लक्ष्मण जगताप की पत्नी एवं मौजूदा विधायक अश्विनी जगताप को हटाकर उनके (लक्ष्मण के) भाई शंकर जगताप को उम्मीदवार बनाया है, जो अपना पहला चुनाव लड़ रहे हैं। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में, लक्ष्मण जगताप ने कलाटे को 38,000 से अधिक मतों से हराया था।

झामुमो सरकार ने झारखंड में 'लव जिहाद' और 'भूमि जिहाद' को बढ़ावा दिया : ठाकुर

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन पर राज्य में पिछले पांच साल में 'लव जिहाद' और 'भूमि जिहाद' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। ठाकुर ने राज्य की जनसांख्यिकी बदले जाने का भी आरोप लगाया।

रांची में भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए ठाकुर ने आरोप लगाया कि जन कल्याण के बजाय राज्य में 'जिहाद' कल्याण किया जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, ''झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने पिछले पांच साल में राज्य को 'लव जिहाद' और 'भूमि जिहाद' दिए हैं। जन कल्याण के बजाय सरकार ने जिहाद कल्याण किया है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले पांच साल में राज्य की जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया गया है और लोग ठगा महसूस कर रहे हैं।

अनुराग ठाकुर ने कहा, ''सरकार जल, जंगल, जमीन की लूट में लगी है। यहां गरीब जनता का राशन, जमीन, खदान और खनिज संसाधन लूट लिए गए।'' उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने इस लूट के खिलाफ वोट देने और यहां गठबंधन सरकार को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना लिया है।

भाजपा झारखंड को बांटना चाहती है: हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य को बांटने की योजना बना रही है, लेकिन वह इसमें सफल नहीं होगी।

सोरेन ने कहा कि झारखंड को ''तोड़ने'' के प्रयासों को इस चुनाव में जनता नाकाम कर देगी।

सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भाजपा के नेता राज्य में डेरा डाले हुए हैं, लेकिन वे झारखंड में विकास, प्रगति और शांति के लिए एक शब्द भी नहीं बोलते हैं। वे केवल धर्म के नाम पर लोगों को बांट रहे हैं।

भाजपा पर झारखंड से संथाल परगना को अलग करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि लोग उन्हें करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा, ''भगवान राम की पवित्र भूमि ने ईश्वर की कृपा से रावण जैसे तानाशाहों का घमंड तोड़ दिया था-- झारखंड भी उनका घमंड तोड़ देगा क्योंकि वे झारखंड को तोड़ना चाहते हैं।''

सोरेन ने आरोप लगाया कि भाजपा संथालों को बांट रही है क्योंकि वे हमारा इतिहास मिटाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, वे भोगनाडीह, देवघर, बासुकीनाथ से हमारी विरासत को मिटाना चाहते हैं, जो हमारी आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड का विभाजन नहीं होगा और संथाल समुदाय एकजुट तथा राज्य के साथ रहेगा।

जो लोग 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक दिन में परीक्षा तक नहीं करा सकते : अखिलेश

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर प्रयागराज में छात्रों के विरोध प्रदर्शन का सामना करनेऔर परीक्षाओं को ठीक तरह से आयोजित करने में विफल रहने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया। फूलपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए यादव ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस)-प्रारंभिक परीक्षा और समीक्षा अधिकारी- सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) परीक्षा दो अलग-अलग दिन आयोजित कराने के फैसले के खिलाफ जारी छात्रों के विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''जो लोग 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक दिन में छात्रों के लिए परीक्षा भी नहीं करवा सकते।'' यादव ने छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की, लेकिन राजनीतिकरण के आरोपों से बचने के लिए विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से परहेज किया। उन्होंने राज्य में परीक्षाओं के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने में असमर्थता के लिए भाजपा की आलोचना की।

यूपीपीएससी ने की आरओ-एआरओ परीक्षा स्थगित, पुराने पैटर्न के अनुसार होगी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने अभ्यर्थियों की मांगों को स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा स्थगित कर दी और प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा को पुराने पैटर्न पर आयोजित करने की घोषणा की। आयोग ने आरओ और एआरओ परीक्षाओं के लिए एक समिति बनाने की भी घोषणा की।

आयोग के सचिव अशोक कुमार ने उपस्थित अभ्यर्थियों के समक्ष आयोग द्वारा लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, ''पिछले कुछ दिन से पीसीएस और अन्य भर्ती परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच असंतोष की स्थिति थी। छात्रों की मांग थी कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक से ज्यादा पालियों में कराने के बजाय एक ही दिन में संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्रों की इन मांगों का संज्ञान लेते हुए आयोग को निर्देश दिया कि वह छात्रों के साथ संवाद स्थापित करके आवश्यक निर्णय ले। आयोग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर छात्रों से संवाद किया और उनकी मांगों पर विचार करते हुए यह निर्णय लिया कि पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 पूर्व की भांति एक ही दिन में आयोजित की जाएगी।''

भारत ने महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी हॉकी में थाईलैंड को 13-0 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बृहस्पतिवार को यहां थाईलैंड को एकतरफा मुकाबले में 13-0 से हराकर महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी (एसीटी) में लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

भारत के लिए दीपिका (तीसरे, 19वें, 43वें, 45वें और 45वें मिनट) ने पांच गोल दागे जबकि प्रीति दुबे (नौवें और 40वें मिनट), लालरेमसियामी (12वें और 56वें मिनट) और मनीषा चौहान (55वें और 58वें मिनट) ने दो-दो गोल किए। ब्युटी डुंग डुंग (30वें मिनट) और नवनीत कौर (53वें मिनट) के खाते में भी एक-एक गोल रहा।

भारत ने इससे पहले मलेशिया को 4-0 से हराया था जबकि करीबी मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 3-2 से शिकस्त दी थी।

भारत अपना अगला मैच शनिवार को ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन के खिलाफ खेलेगा।

दिन के अन्य मुकाबलों में मलेशिया ने कोरिया को 2-1 से हराया जबकि चीन ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए जापान को इसी अंतर से मात दी।

कांग्रेस नेता मीर ने विवाद खड़ा किया, घुसपैठिये हों या नहीं, सभी को एलपीजी सिलेंडर देने का किया वादा

रांची/भाषा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने बृहस्पतिवार को एक चुनावी रैली में यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो राज्य के सभी नागरिकों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर दिए जाएंगे, चाहे वे घुसपैठिए हों या नहीं। जवाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया कि ऐसी टिप्पणी राष्ट्र-विरोधी है और कांग्रेस की तुष्टिकरण और ध्रुवीकरण की राजनीति को दर्शाती है। बेरमो विधानसभा क्षेत्र के चंद्रपुरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मीर ने कहा, हमने वादा किया है कि अगर हमारी सरकार बनती है तो हम एक दिसंबर से 450 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएंगे। यह आम जनता के लिए होगा...चाहे वे हिंदू हों, मुसलमान हों, घुसपैठिये हों - यह झारखंड के सभी नागरिकों को दिया जाएगा, किसी अन्य कारक पर विचार नहीं किया जाएगा।

बहराइच हिंसा: मुख्य साजिशकर्ता नेपाल से लौटने के बाद गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच/भाषा। उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के महाराजगंज कस्बे में पिछले महीने दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभाात्रा के दौरान भड़की सांप्रदायिक हिंसा के कथित मुख्य साजिशकर्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मुताबिक घटना के बाद आरोपी खुर्शीद अहमद नेपाल भाग गया था और बृहस्पतिवार सुबह भारत लौटने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने संवाददाताओं से कहा, '' 13 अक्टूबर को महाराजगंज कस्बे में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा के दौरान पूर्व नियोजित साजिश के तहत राम गोपाल मिश्रा नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद इलाके में आगजनी, लूटपाट और तोड़फोड़ की गई।'' उन्होंने कहा, ''खुर्शीद अहमद और उसके साथियों ने डीजे रोककर शोभायात्रा में बाधा डाली, जिससे तनाव पैदा हुआ और हिंसा भड़क उठी। इसी दौरान मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई।''

फॉर्मूला-ई रेस विवाद में किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार : केटी रामाराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी से नेताओं का पलायन रुक गया है और उन्होंने तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस को अपना मुख्य प्रतिद्वंद्वी बताया।

उन्होंने कहा कि वह फॉर्मूला-ई रेस विवाद में किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। राव ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं किसी भी जांच के लिए तैयार हूं। यह बात उन्होंने नगर निकाय मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कैबिनेट की मंजूरी के बिना फॉर्मूला-ई रेसिंग कंपनी को 55 करोड़ रुपए हस्तांतरित करने के आरोपों पर कही। केटीआर के नाम से चर्चित राव ने जांच को कांग्रेस सरकार द्वारा अधूरे चुनावी वादों से ध्यान भटकाने वाला खेल करार दिया।

अपने पिता और तेलंगाना विधानसभा में विपक्ष के नेता के चंद्रशेखर राव की सदन से अनुपस्थिति के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए केटीआर ने कहा, फिलहाल हम उनसे (मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी) निपटने के लिए पर्याप्त हैं। समय आने पर केसीआर आएंगे।

उन्होंने कहा कि ध्यान केसीआर की उपस्थिति के बजाय सरकार द्वारा किए गए छह चुनावी वादों के क्रियान्वयन पर होना चाहिए। पार्टी के कई नेताओं के दलबदल करने पर उन्होंने कहा कि हालांकि 10 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं, जो निलंबित अवस्था में हैं, लेकिन पार्टी से विधायकों का पलायन रुक गया है।

हाल ही में विधानसभा चुनाव में हार का विश्लेषण करते हुए केटीआर ने धारणा प्रबंधन और संचार में विफलताओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा, हम मामूली अंतर से हारे, हम चार लाख वोटों से हारे। उन्होंने मतदाताओं तक पार्टी की उपलब्धियों को पहुंचाने में संचार की कमी को स्वीकार किया।

अपने 10 साल के शासन के दौरान 1.60 लाख युवाओं को रोजगार देने और सरकारी कर्मचारियों के वेतन में 73 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू करने के बावजूद, केटीआर ने स्वीकार किया कि ये उपलब्धियां मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रहीं।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने कालेश्वरम सिंचाई परियोजना में मेदिगड्डा बैराज की विफलता जैसे मुद्दों पर आलोचना का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए भी संघर्ष किया।

राजनीतिक परिदृश्य का आकलन करते हुए, केटीआर ने भाजपा के प्रभाव को कम करके आंकते हुए कांग्रेस को प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में रेखांकित किया।

रवि शास्त्री ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करेंगे विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच रवि शास्त्री का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली में अपनी खराब फॉर्म को सुधारकर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान सफलता हासिल करने की काबिलियत है। पिछले कुछ महीनों में कोहली सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजर रहे हैं। 36 वर्षीय स्टार बल्लेबाज ने साल की शुरुआत से बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है जबकि उनका औसत सिर्फ 21.33 रहा है।

लेकिन शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी दी और कहा है कि कोहली उस देश में खेलेगा जहां उसे बल्लेबाजी करना और रन बनाना बहुत पसंद है।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, '' कोहली अब वहां खेलेगा जहां वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करता है। मैं उन्हें बस इतना ही बताऊंगा। '' उन्होंने कहा, ''जब आप ऑस्ट्रेलिया में अपने जलवों के बाद यह रुतबा हासिल कर लेते हैं तो जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह हमेशा आपके प्रतिद्वंद्वी के दिमाग में रहता है। ''

शास्त्री ने हालांकि कोहली को दौरे के शुरुआती चरण के दौरान सतर्कता बरतने की सलाह दी।

सुविचार

जो ज्ञानी होता है उसे समझाया जा सकता है, जो अज्ञानी होता है उसे भी समझाया जा सकता है, लेकिन जो अभिमानी होता है उसे कोई नही समझा सकता, उसे केवल वक्त ही समझा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नायकों का सम्मान करें

पाकिस्तान के लाहौर में शादमान चौक का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नाम पर रखने के प्रस्ताव को रद्द किया जाना अत्यंत निंदनीय है। इस भ्रमित पड़ोसी देश की ऐसी हरकत पर किसी को अचंभा नहीं होना चाहिए, क्योंकि इसके 'नायक' तो ओसामा बिन लादेन, दाऊद इब्राहिम, हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादी हैं। यह ग़ौरी, ग़ज़नवी और उन क्रूर विदेशी आक्रांताओं पर गर्व करता है, जिन्होंने कभी उसी इलाके में नरसंहार किया था, जहां अब पाकिस्तान स्थित है। आज आम पाकिस्तानी को पता ही नहीं कि भगत सिंह कौन थे! किसने सोचा होगा कि एक दिन ऐसा भी आएगा, जब उसी धरती के लोग भगत सिंह के बलिदान से अनभिज्ञ होंगे, जहां उनका जन्म हुआ, जिसकी आज़ादी के लिए उन्होंने अपने प्राण तक दे दिए थे? पाकिस्तान के उस सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी, जिसकी राय के आधार पर प्रस्ताव को रद्द किया गया, के बौद्धिक स्तर का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे भगत सिंह को क्रांतिकारी नहीं मानते। वे उनके शौर्य और वीरतापूर्ण कार्यों को ऐसे लोगों के साथ जोड़कर देख रहे हैं, जो निजी स्वार्थों के लिए कोई अपराध करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तान के ये पूर्व सैन्य अधिकारी अपनी नौकरी से ही 'निवृत्त' नहीं हुए, बल्कि बुद्धि से भी 'निवृत्त' हो गए! इन्हें क्रांतिकारियों और अपराधियों के बीच अंतर ही नहीं मालूम! भगत सिंह और समस्त बलिदानियों को किसी के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने उस समय अपने देशवासियों की आज़ादी के लिए जो भी संभव था, वह किया। हमें उनका कृतज्ञ होना चाहिए। जो लोग अपने नायकों का सम्मान नहीं करते, वे ठोकरें खाते हैं। आज पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है। अपने पूर्वजों से नफरत, उनके धर्म से नफरत, उनके प्रतीकों से नफरत, उनके त्योहारों से नफरत, उनकी भाषा से नफरत, उनके संस्कारों से नफरत और अब उनके त्याग एवं बलिदान से नफरत ...!

पाकिस्तान ऐसा कृत्रिम देश है, जो अपनी जड़ों से कटकर रहना चाहता है। यह कैसे संभव है? जो अपनी जड़ों से जुदा हो जाता है, वह मुर्झाता है। पाकिस्तान के स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रमों में नेताजी सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों-बलिदानियों के योगदान के बारे में कुछ नहीं पढ़ाया जाता। उसकी किताबें विदेशी आक्रांताओं की झूठी वाहवाही से भरी पड़ी हैं। पाकिस्तानी बच्चों के दिमाग में नफरत का जहर घोलने के लिए यह रटाया जाता है कि विदेशी आक्रांता बड़े न्यायप्रिय, दयालु, अनुशासित और महान थे। उनके क्रूर कारनामों को किसी-न-किसी कुतर्क से उचित ठहराकर अपना संबंध उनसे जोड़ने की कोशिश की जाती है। इससे पाकिस्तानी इतने भ्रम के शिकार हो चुके हैं कि न उन्हें अखंड भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में सही जानकारी होती है और न वर्ष 1947 के बाद हुई घटनाओं के बारे में ज्यादा पता होता है। आज भी कई पाकिस्तानी मानते हैं कि वर्ष 1971 के युद्ध में उनका मुल्क जीता था! सोशल मीडिया के प्रसार से पहले ज्यादातर पाकिस्तानी इसी भ्रम में जी रहे थे। जब उन्होंने 16 दिसंबर के आस-पास ले. जनरल नियाजी की वह तस्वीर शेयर होते देखी, जिसमें उनके 93,000 फौजी ढाका में आत्मसमर्पण कर रहे थे, तो उन्हें बड़ा धक्का लगा। अब वहां लोग वर्ष 1965, 1971 और 1999 के युद्धों पर चर्चा करने लगे हैं। पाकिस्तान के जिस सेवानिवृत्त अधिकारी ने भगत सिंह के बारे में गलत बयानबाजी कर अपनी विवेकहीनता का परिचय दिया, सोशल मीडिया पर उसी के मुल्क के कई लोग उसे आड़े हाथों ले रहे हैं। सूचना क्रांति के इस युग में सच्चाई को छिपाना आसान नहीं है। देर-सबेर लोगों को सब पता चल ही जाएगा।

ट्वीटर टॉक

होटल-हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में स्थानीय विरासत को शामिल करना पर्यटकों को जोड़ता है। आज मंडावा (राजस्थान) में गुलाब हवेली हेरिटेज़ होटल का उद्घाटन करते हुए मुझे इसके कॉन्सेप्ट और मैनेजमेंट ने प्रभावित किया। यह वर्ष 1830 में बनी हवेली है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भारत की आजादी से लेकर एक सुदृढ़, सशक्त एवं उन्नत राष्ट्र की आधारशिला रखने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर सहृदय नमन करता हूँ।

-सचिन पायलट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाने के लिए हमारे समर्पित कार्यकर्ता जी-जान से जुटे हुए हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं के इसी अथक परिश्रम के बीच 16 नवंबर को सुबह 11:30 बजे 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' कार्यक्रम में उनसे संवाद को लेकर बेहद उत्सुक हूं।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

संयम का मार्ग

जैनमुनि सुदर्शन जी महाराज के पास एक साधु पहुंचे। उन्होंने कहा, 'महाराज, मुझे एक भक्त पांच एकड़ भूमि दान देना चाहते हैं, साथ ही आश्रम बनाने के लिए धनराशि भी। इस आश्रम का किसी अच्छे कार्य में उपयोग किया जा सकता है।' मुनि श्री ने साधु से पूछा, 'आपने अपना परिवार क्यों छोड़ा था? संयम के लिए ही तो। यदि जमीन लेकर फिर से भवन बनाने के चक्कर में पड़ना था, तो फिर अपने भरे-पूरे परिवार को छोड़ने की आवश्यकता क्या थी?' मुनिश्री के इन शब्दों से साधु की आंखें खुल गईं। उन्होंने संकल्प लिया कि वे अपना जीवन संयम और तपस्या में बिताएंगे। भूमि, धन और आश्रमों के चक्कर में पड़कर अपने साधु बनने के लक्ष्य में बाधा नहीं आने देंगे।

सामयिक

गुरुनानक देव समाजक्रांति एवं धर्मक्रांति के पुरोधा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव, और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया।

भारतीय संस्कृति में गुरु नानकदेव एक महान पवित्र आत्मा थे, वे ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। अणु को विराट के साथ एवं आत्मा को परमात्मा के साथ एवं आत्मज्ञान को प्राप्त करने के एक नए मार्ग की परंपरा का सूत्रपात गुरुनानक ने किया है, यह किसी धर्म की स्थापना नहीं थी। उन्होंने परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करने का मार्ग बताया। यही वह सार्वभौम तत्व है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत को एकता के सूत्र में बांधे हुए हैं। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए 'सिख' समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए लंगर परंपरा की शुरुआत की थी, जहां गरीब-राजा, ऊंच-नीच सभी लंगर खाते थे। उन्होंने निर्गुण उपासना' पर जोर दिया और उसका ही प्रचार-प्रसार किया। वे मूर्ति पूजा नहीं करते थे और न ही मानते थे। ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है, इसमें ही नानक देव का पूरा विश्वास था। उनका धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति, भक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है।

गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर ज़ोर दिया। उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संवादों का महत्व बताया और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देते हुए करुणा, परोपकारिता और ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया।

गुरुनानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव सर्वधर्म सद्भाव की प्रेरक मिसाल है। उनके जन्म दिन को हम प्रकाश पर्व, गुरु पर्व, गुरु पूरब भी कहते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया।

गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव, और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया। इनके पिता ने जब पुत्र में सांसारिक विरक्ति का भाव देखा तो उन्हें पुनः भौतिकता की ओर आसक्त करने के उद्देश्य से पशुपालन का कार्य सौंपा। फिर भी नानकदेव का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति और साधना में व्यतीत होता था।

नानक के बचपन में ही अनेक अद्भुत घटनाएँ घटित हुईं जिनसे लोगों ने समझ लिया कि नानक एक असाधरण बालक है। कहते हैं कि नानकदेवजी से ही हिंदुस्तान को पहली बार हिंदुस्तान नाम मिला। लगभग 1526 में जब बाबर द्वारा देश पर हमला करने के बाद गुरु नानकदेवजी ने कुछ शब्द कहे थे तो उन शब्दों में पहली बार हिंदुस्तान शब्द का उच्चारण हुआ था- खुरासान खसमाना कीआ हिंदुस्तान डराईआ। एक और घटना है- नानक ग्रीष्म ऋतु की चिलचिलाती धूप में किसी ग्राम में गए। वहाँ वे गर्मी से बेहाल विश्राम करने के लिए बैठ गए। उन्हें कब नींद आ गई पता ही नहीं चला क्योंकि एक बड़े सर्प ने अपना फन फैलाकर उन्हें छाया प्रदान कर दी थी।

गाँववाले यह दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए। गाँव के मुखिया ने उन्हें देवस्वरूप समझकर प्रणाम किया। तभी से नानक के नाम के आगे देव शब्द जुड़ गया। वे कालांतर में गुरु नानकदेव के नाम से विख्यात हुए। उनका उद्देश्य भी भारतीय धर्म और संस्कृति की रक्षा करना ही था। गुरुनानक देव का जीवन सदैव समाज के उत्थान में बीता। गुरुनानक देव जी ने न केवल शिक्षाएं दीं, बल्कि स्वयं भी इसका पालन किया। उन्होंने करतारपुर साहिब में बिताए अपने जीवन के आखिरी 18 वर्षों में खेतों में हल चला कर यह बताया कि हर इंसान को अपने जीवन में मेहनत करनी चाहिए। एक अन्य रोचक घटना में उनके पिता ने उन्हें गृहस्थ आश्रम की ओर ध्यानाकर्षित करने के लिए तत्कालीन नबाव लोदी खाँ के यहाँ नौकरी दिलवा दी। वहाँ उन्हें भंडार निरीक्षक की नौकरी प्राप्त हुई। परंतु नानक वहाँ भी साधु-संतों पर बेहिसाब खर्च करते रहे। इसकी शिकायत नवाब तक पहुँची तब उसने नानक के खिलाफ जाँच के आदेश दे दिए। परंतु आश्चर्य की बात यह थी कि उस जाँच में कोई कमी नहीं पाई गई। एक बार नानकदेव भ्रमण के दौरान मक्का पहुँचे। वह थकान के कारण काबा की ओर पैर करके सो गए। जब वहाँ के मुसलमानों ने यह दृश्य देखा तो वे अत्यधिक क्रोधित हुए। चमत्कार उस समय घटित हुआ जब लोग उनका पैर जिस दिशा में करते उन्हें उसी दिशा में काबा के दर्शन होते। यह देखकर सभी ने उनसे श्रद्धापूर्वक क्षमा माँगी।

गुरु नानक देव ने गुरुग्रंथ साहब' नामक ग्रंथ की रचना की। यह ग्रंथ पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में है। इसमें कबीर, रैदास व मलूकदास जैसे भक्त कवियों की वाणियाँ सम्मिलित हैं। 70 वर्षीय गुरुनानक सन 1539 ई में अमरत्व को प्राप्त कर गए। श्री गुरुनानक देवजी के सबसे निकटस्थ शिष्य मरदाना को माना जाता है जो कि जाति से मुसलमान थे। आप देखिये नानक देवजी के तप का प्रभाव कि मरदाना ने अपना पूरा जीवन गुरुनानकजी के सेवा में गुजारा।

सैकडों साल पुराने सामाजिक सच, आज के सच हों, यह जरूरी नहीं है। अतः सत्य की खोज के लिए गतिशीलता एवं विवेक की अपेक्षा है। उन्होंने परम चक्षु-अंतर्दृष्टि को जगा और श्रेष्ठताओं के संवर्धन हेतु विशिष्ट पराक्रम किया। इसका तात्पर्य यह है कि आध्यात्मिक विकास हेतु विवेकयुक्त पुरुषार्थ की नितांत अपेक्षा रहती है। एक बार कुछ लोगों ने गुरुनानक देव से पूछा कि हमें यह बताइए कि आपके अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान तो गुरु साहिब ने उत्तर दिया, 'अवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे।'

यानी सब इंसान ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला भगवान की नजर में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो। इस तरह गुरुनानक देव सच्चे गुरु एवं परमात्मा स्वरूप हैं।

नजरिया

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद की जोड़ तोड़ शुरू!

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की लड़ाई बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन के बीच मानी जा रही है। सत्ता पर काबिज होने के लिए भले ही दो गठबंधन के बीच मुकाबला हो, लेकिन सत्ता की बागडोर किसके हाथ यानी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कौन विराजमान होगा, यह तस्वीर न ही एनडीए में साफ है और न ही इंडिया गठबंधन में। ऐसे में सवाल उठता है कि महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे आने के बाद दोनों गठबंधन में शामिल दल चुनाव बाद भी अपने पुराने गठबंधन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखेंगे या फिर 2019 की तरह होगा खेला? गौरतलब है कि अभी कुछ दिनों पहले तक ऐसा लग रहा था कि बीजेपी ने महाराष्ट्र में बिहार वाले प्रयोग पर ही चलने का इरादा कर लिया है। यानि कि अधिक विधानसभा सीट जीतने के बावजूद सहयोगी पार्टी के नेता को प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की कुर्सी देना। बिहार और महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने कम से कम अपने सहयोगी पार्टी को अपना बड़ा भाई बनाने में कोई संकोच नहीं किया। महाराष्ट्र में पहले ऐसा समझा जा रहा था कि विधानसभा चुनाव में शायद अधिक सीट आने पर बीजेपी फिर से महाराष्ट्र का दायित्व पूर्व सीएम और वर्तमान डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को सौंप देगी। पर पिछले दिनों एक पीसी में प्रदेश के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने यह कबूल किया कि महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ही होंगे। इसके बाद राजनीतिक गलियारों में यह मानकर लोग चल रहे थे कि हो सकता है कि एकनाथ शिंदे प्रदेश के अगले नीतीश कुमार बन जाएं। पर अचानक एक बार फिरसे देवेंद्र फडणवीस के नाम का घोड़ा महाराष्ट्र में दौड़ने लगा है। शीर्ष भाजपा नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा यह कहा जाने लगा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद के लिए फडणवीस का नाम उपयुक्त है। ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि यदि राज्य में महायुति को बहुमत मिलता है तो भाजपा बड़े भाई की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक है ताकि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की राज्य के शीर्ष पद पर वापसी सुनिश्चित कराई जा सके।

बहरहाल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह साफ कर दिया है कि एकनाथ शिंदे मौजूदा मुख्यमंत्री हैं, लेकिन महाराष्ट्र नए सीएम का फैसला चुनाव नतीजे आने के बाद एनडीए में शामिल तीनों दल बैठक कर तय करेंगे। इससे एक बात को साफ हो गई है कि शिंदे एनडीए के सीएम चेहरा नहीं है और चुनाव के बाद बीजेपी अपने पत्ते खोलेगी। इसी तरह की स्थिति इंडिया गठबंधन में भी है, कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार मिलकर जरूर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन सीएम पद को लेकर तीनों ही दलों की नजर है। शरद पवार ने भी अमित शाह की तर्ज पर कहा है कि गठबंधन नतीजे आने के बाद सीएम पद के लिए विमर्श करेगा। हालांकि, शिवसेना और एनसीपी के सूत्रों का मानना है कि गठबंधन की राजनीति में कई कारक मुख्यमंत्री के चेहरे को निर्धारित करते हैं, खासकर जब कोई भी पार्टी अकेले बहुमत नहीं पाती है। इसलिए अभी इस चर्चा में जाने का कोई मतलब नहीं है। वैसे भी महाराष्ट्र की राजनीति पिछले 5 सालों में जैसे बदल रही है उसके हिसाब से कुछ भी कहा नहीं जा सकता है।

मुख्यमंत्री पद के लिए फडणवीस को मिल रहे समर्थन के दो कारण गिनाएं जा रहे हैं। जैसा कि 2014 से 2019 के बीच जब फडणवीस राज्य के शीर्ष पर थे, महाराष्ट्र ने राज्य के कल्याण के लिए साहसिक प्रशासनिक कदम उठाए। पार्टी और आरएसएस में बहुत से लोग मानते हैं कि उन्हें 2022 में एनडीए में शिवसेना को समायोजित करने के लिए मुख्यमंत्री का पद त्यागना पड़ा था और अगर भाजपा अपनी ताकत के बलबूते सत्ता में लौटती है, तो ऐसा फिर नहीं होना चाहिए। वर्ष 2019 विधानसभा चुनावों से पहले, जब भाजपा अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन में थी, उसने फडणवीस को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया गया। उनके राज्यव्यापी जनादेश यात्रा के बाद भाजपा ने 105 सीटें जीत लीं। इसके साथ ही बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जबकि अविभाजित शिवसेना 56 सीटों पर सिमट गई। बाद में उद्धव ठाकरे ने अविभाजित एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस गठबंधन के विद्रोह के सूत्रधार के रूप में फडणवीस को देखा गया था। फडणवीस ने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने की पेशकश की और कहा कि वे सरकार में शामिल नहीं होंगे।बाद में उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में शामिल होने के लिए पार्टी ने मना लिया। इन दो कारणों के चलते पार्टी में लोग चाहते हैं कि उन्हें फिर से वो सम्मान दिलाया जाए।

वहीं, कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन में भी मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। 2019 के चुनाव बाद बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ने के चलते शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को भले ही एनसीपी-कांग्रेस ने सीएम बनाने की शर्त मान ली थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद स्थिति बदल गई है। कांग्रेस महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसके चलते उसकी महत्वाकांक्षा जागी है। शरद पवार ने जिस तरह से लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है, उसके चलते सत्ता पर राज करने की इच्छा जागी है।

अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज और डॉ। अंबेडकर की विचारधारा चलेगी। यही नहीं बीजेपी के विरोध के बावजूद अजित पवार ने नवाब मलिक को टिकट ही नहीं दिया बल्कि पूरे दमखम के साथ उनके साथ खड़े हैं। इस तरह महाराष्ट्र में बने बेमेल गठबंधन चुनाव के बाद भी एक रहेंगे यह बड़ा सवाल है। सूत्रों का यह भी कहना है कि लोकसभा में मिली हार के बाद भाजपा कोर्स करेक्शन मोड में दिखाई देगा। भले ही फडणवीस सीएम पद के प्रमुख दावेदार हो सकते हैं, फिर भी महायुति के भीतर अपनी पसंद को अपने सहयोगियों पर थोपने के लिए भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना होगा।

उद्धव ठाकरे खेमा पहले ही सीएम पद की लालसा जाहिर कर चुका है और मानकर चल रहा है कि इंडिया गठबंधन अगर चुनाव जीतकर सत्ता में लौटता है तो उद्धव ठाकरे सीएम बनेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस उद्धव ठाकरे ने इसी सवाल पर राजग से नाता तोड़ लिया, वह एमवीए की सरकार में दूसरे दल के नेतृत्व को स्वीकार करेंगे। ऐसे में फिर एक बार सियासी उथल-पुथल की संभावना बनती दिख रही है, लेकिन नतीजे के ऊपर सब निर्भर करेगा।

मुख्यमंत्री पद के अलावा भी कई मतभेद दोनों गठबंधन में शामिल दलों के बीच हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना शुरू से ही हिंदुत्व के एजेंडे पर रही है और सावरकर को अपने आदर्श नेताओं में गिनती रही है। सीएम पद के लिए उद्धव ठाकरे ने अपने विरोधी विचारधारा वाली कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी, लेकिन वैचारिक टकराव बना रहा। सावरकर के सवाल पर मतभेद हैं। उद्धव ठाकरे नहीं चाहते कि राज्य में कांग्रेस सावरकर के खिलाफ बोले, जबकि कांग्रेस सावरकर को लेकर बीजेपी और संघ पर सवाल खड़े करती रही। हिंदुत्व और सावरकर के मुद्दे पर कांग्रेस और उद्धव खेमे में अलग-अलग सुर सामने आते रहते हैं।

वहीं, दूसरी ओर एनडीए गठबंधन में शामिल अजित पवार की एनसीपी का भी वैचारिक स्तर पर बीजेपी के साथ मेल नहीं खा रहा। बीजेपी अपने सियासी एजेंडे के मुताबिक हिंदुत्व की बिसात पर नैरेटिव सेट कर रही है। सीएम योगी से लेकर पीएम मोदी तक बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे, नेक रहेंगे और सेफ रहेंगे की बात कर रहे हैं तो अजित पवार को यह सूट नहीं कर रहा है। अजित पवार ने साफ कह दिया है कि महाराष्ट्र में इस तरह की सांप्रदायिक विभाजन वाली राजनीति नहीं चलने वाली है।

अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज और डॉ। अंबेडकर की विचारधारा चलेगी। यही नहीं बीजेपी के विरोध के बावजूद अजित पवार ने नवाब मलिक को टिकट ही नहीं दिया बल्कि पूरे दमखम के साथ उनके साथ खड़े हैं। इस तरह महाराष्ट्र में बने बेमेल गठबंधन चुनाव के बाद भी एक रहेंगे यह बड़ा सवाल है। सूत्रों का यह भी कहना है कि लोकसभा में मिली हार के बाद भाजपा कोर्स करेक्शन मोड में दिखाई देगा। भले ही फडणवीस सीएम पद के प्रमुख दावेदार हो सकते हैं, फिर भी महायुति के भीतर अपनी पसंद को अपने सहयोगियों पर थोपने के लिए भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना होगा। बल्कि सबसे बड़ी पार्टी के साथ-साथ इस तरह का बहुमत लाना होगा कि शिवसेना या एनसीपी के साथ बीजेपी को सौदेबाजी न करनी पड़े। पत्रकार विनोद शर्मा कहते हैं कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो अजित पवार और शिंदे अपनी शक्ति दिखा सकते हैं। क्योंकि महाविकास अघाड़ी किसी भी शर्त पर सरकार बनाने के लिए तैयार होगी। एनसीपी तो अभी से इस तरह व्यवहार कर रही है जैसे चुनाव बाद किसी के साथ जाने को स्वतंत्र है। हंग विधानसभा होने की स्थित में बहुत कम विधायकों के साथ भी ये दोनों पार्टियां सौदेबाजी के लिए स्वतंत्र होंगी।इसलिए अभी से फडणवीस का नाम क्यों बीजेपी ले रही है यह समझ से बाहर है। हंग असेंबली हुई तो एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद का ऑफर दोनों ही ओर होगा। ऐसे में देखना है कि चुनाव के बाद कौन किसके साथ कैसे रहते हैं, लेकिन सरकार गठबंधन के लिए सिर्फ 3 दिन का ही समय मिलेगा?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रिलायंस और डिज्नी के बीच ज्वाइंट वेंचर के लिए लेनदेन पूरा हुआ

भारतीय दर्शकों के लिए किफायती कीमतों पर बेजोड़ कंटेंट सुनिश्चित करेंगे : मुकेश अंबानी

मुंबई/बरबैंक/। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), वायाकॉम 18 मीडिया प्रा. लि. और द वॉल्ट डिज्नी कंपनी ने घोषणा की है कि वायाकॉम 18 के मीडिया और जियोसिनेमा व्यवसायों का स्टार इंडिया प्राइवेट लि. में विलय पूरा हो गया है। एनसीएलटी मुंबई, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और अन्य नियामक प्राधिकरणों की मंजूरी के बाद यह घोषणा हुई है।

इसके अलावा रिलायंस ने ज्वाइंट वेंचर में 11,500 करोड़ रु. का निवेश किया है। वेंचर ने वायाकॉम 18 और आरआईएल को शेयर आवंटित कर दिए हैं। इस लेनदेन में जेवी का मूल्य पोस्ट-मनी आधार पर 70,352 करोड़ रु. माना गया है। संयुक्त उद्यम पर आरआईएल का नियंत्रण रहेगा।

आरआईएल का हिस्सा 16.34 प्रतिशत, वायकॉम18 का 46.82 प्रतिशत और डिज्नी का 36.84 प्रतिशत रहेगा। नीता अंबानी संयुक्त उद्यम की अध्यक्ष होंगी। रणनीतिक मार्गदर्शन के लिए उदय शंकर को संयुक्त उद्यम का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'ज्वाइंट वेंचर के गठन के साथ, भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग एक परिवर्तनकारी युग में प्रवेश कर रहा है। डिज्नी के साथ संबंधों के अलावा हमारी गहरी रचनात्मक विशेषज्ञता और भारतीय उपभोक्ता की हमारी बेजोड़ समझ भारतीय दर्शकों के लिए किफायती कीमतों पर बेजोड़ कंटेंट सुनिश्चित करेगी। मैं ज्वाइंट वेंचर के भविष्य को लेकर बहुत उत्साहित हूं और इसकी सफलता की कामना करता हूं।'

वहीं, वॉल्ट डिज्नी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉबर्ट ए इगर ने कहा, 'यह हमारे साथ भारत के उपभोक्ताओं के लिए भी एक रोमांचक क्षण है, क्योंकि हम संयुक्त उद्यम के माध्यम से देश में शीर्ष मनोरंजन संस्थाओं में से एक बना रहे हैं। रिलायंस के साथ मिलकर, हम इस महत्त्वपूर्ण मीडिया बाज़ार में दर्शकों को मनोरंजन, खेल सामग्री और डिजिटल सेवाओं का और भी ज्यादा मज़बूत पोर्टफोलियो प्रदान करेंगे।'

बोधि ट्री सिस्टम्स के सह-संस्थापक उदय शंकर ने कहा, 'भारत में मीडिया और मनोरंजन उद्योग में बदलाव लाने की इस यात्रा में भागीदार बनकर जेम्स और मैं उत्साहित हैं। रचनात्मकता, बदलाव और नए युग के उपभोक्ता को अभूतपूर्व स्तर का अनुभव प्रदान करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य भारत का सबसे बड़ा एकीकृत मीडिया प्लेटफ़ॉर्म बनाना है, जो अभिनव और रोमांचक तरीकों से बेजोड़ अनुभव देगा।'

'आई वांट टू टॉक' के लिए अभिषेक परफेक्ट चॉइस : शुजित सरकार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार शुजित सरकार का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म 'आई वांट टू टॉक' के लिये अभिषेक बच्चन अभिषेक बच्चन परफेक्ट चॉइस थे। शूजित सरकार ने अभिषेक बच्चन को लेकर फिल्म आई वांट टू टॉक बनायी है। शुजित सरकार ने इस फिल्म में अभिषेक बच्चन को पिता का रोल देने के पीछे की असली वजह साझा की है। शूजित सरकार ने कहा, अभिषेक में वो खास बात है जो पिता और बेटी के रिश्ते की जटिलता को अच्छे से दर्शाती है। उनकी गर्मजोशी और सादगी इस रोल के लिए एकदम फिट थी।हम दोनों लंबे समय से एक साथ काम करना चाहते थे, और यह परिवार और रोजाना जीवन पर आधारित कहानी बिल्कुल सही थी। अभिषेक ने अपनी अदाकारी से किरदार को असली जान दी है, खासकर छोटे-छोटे पलों को बड़े खूबसूरत तरीके से पेश किया है। फिल्म अभिषेक परफेक्ट चॉइस बाप-बेटी के रिश्ते पर आधारित है, जहां अर्जुन (अभिषेक के द्वारा निभाया गया रोल) एक ऐसी बीमारी से जूझ रहा है, जो अंदरूनी लड़ाई के साथ उसकी जिंदगी को पूरी तरह से बदल देती है।आई वांट टू टॉक अभिषेक और शूजित की पहली फिल्म है, जो 22 नवंबर को थिएटर में रिलीज होगी। बॉलीवुड फिल्मकार शूजित सरकार की अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म आई वांट टू टॉक का इमोशन से भरा गाना गुम हो कहां रिलीज हो गया है। फिल्म आई वांट टू टॉक गाना में अभिषेक बच्चन और जॉनी लीवर की जबरदस्त एक्टिंग है, जो फिल्म की कहानी को सुंदरता से दर्शाती है।म्यूजिक डेब्यूटेंट ताबा चाके ने इस गाने को गाया और कंपोज किया है। कुछ दिन पहले, मेकर्स ने इस फिल्म का पहला गाना दिल घबराये रिलीज किया था। गाने का प्रोमो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है, खो जाने और खुद को फिर से पाने के बीच, यही है गुमहोकहां। फिल्म आई वांट टू टॉक में अभिषेक बच्चन प्रमुख भूमिका में हैं। आई वांट टू टॉक का निर्माण शूजित सरकार और रॉनी लाहिरी द्वारा राइजिंग सन फिल्म्स के तहत किया गया है। यह फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

प्रियंका चोपड़ा ने चैटजीपीटी के साथ की बात

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास को चैटजीपीटी से बहुत प्यार है और उन्होंने इसका इजहार खुलेआम कर दिया है। इंस्टाग्राम पर एक 'रोमांटिक बातचीत' साझा की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरीज सेक्शन में कई मीम्स शेयर किए। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान चैटजीपीटी पर गया। यह मीम 1989 में आई सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' के गाने 'मेरे रंग में रंगने वाली' से लिया गया था। क्लिप में सुपरस्टार अपनी अभिनेत्री भाग्यश्री को प्यार से पकड़े हुए हैं और 'मेरे सवालों का... जवाब दो' लाइन गा रहे हैं। मीम के ऊपर 'आजकल मैं' लिखा था। वहीं सलमान पर 'मैं' टैग था और भाग्यश्री पर 'चैटजीपीटी'। प्रियंका ने इसे साझा करते हुए लिखा एकदम मेरे जैसा, गुड नाइट। ग्लोबल स्टार अक्सर जिंदगी के खूबसूरत और जज्बाती लम्हों को शेयर करती हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पेट डॉग 'डायना' का एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह डायना के साथ खेलती नजर आ रही है। प्रियंका ने लिखा, जब मैं काम से घर आती हूं'' अभिनेत्री अक्सर अपने डॉग की मनमोहक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उन्होंने वीडियो में एरिक कारमेन का गाना हंग्री आइज भी जोड़ा।बता दें कि प्रियंका और उनके पति निक जोनास के पास तीन पेट डॉग्स हैं, जिनके नाम डायना, पांडा और जीनो है। एक इंटरव्यू में, 'बेवॉच' अभिनेत्री ने डायना के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बात की थी। हालांकि वह अपने तीनों पालतू जानवरों से बेहद प्यार करती है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि डायना उनके दिल में एक अलग जगह रखती हैं।

भव्य समारोह में नीलकंठ वर्णी महाराज की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई

गांधीनगर अक्षरधाम मंदिर

गांधीनगर/दक्षिण भारत। गुजरात के गांधीनगर स्थित स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में सोमवार को नीलकंठ वर्णी महाराज की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। 49 फीट ऊंची इस प्रतिमा के प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में संतजन एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर यज्ञ अनुष्ठान हुआ। पूजन में 555 तीर्थों का पवित्र जल शामिल किया गया। वहीं, 1,550 श्रद्धालुओं ने विश्वशांति महायज्ञ में भाग लेकर सबके कल्याण की कामना की।

पूजाविधि बीएपीएस संत श्रुतिप्रकाश स्वामी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराई। उन्होंने आनंदस्वरूप स्वामी, विश्वविहारी स्वामी को चांदलो लगाया। पूर्वन्यास विधि होने के बाद नीलकंठ वर्णी महाराज के 108 नामों का जाप किया गया। अक्षरवत्सलदास स्वामी ने इस प्रतिमा से जुड़ी विशेषताएं बताईं। उन्होंने कहा कि यह सबसे ऊंची तपस्वी प्रतिमा है। भगवान स्वामिनारायण ने नेपाल में कठोर तप किया था। यह प्रतिमा उसी स्वरूप को दर्शाती है।

बताया गया कि लगभग तीन दशक पहले, प्रमुख स्वामी महाराज ने गांधीनगर में अक्षरधाम मंदिर का निर्माण कराया था। यहां महंत स्वामी महाराज के दिशा-निर्देशों के अनुसार भव्य समारोह में प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान अद्भुत वातावरण था। श्रद्धालुओं ने संतों की उपस्थिति में धर्म एवं संस्कृति के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। बीएपीएस के वरिष्ठ संत ईश्वरचरण स्वामी, कोठारी स्वामी, त्यागवल्लभ स्वामी, विवेकसागर स्वामी एवं अनेक संतों ने समारोह को दिव्य बनाया। बता दें कि भगवान स्वामिनारायण ने मुक्तिनाथ में विशेष मुद्रा में 2 महीने और 20 दिनों तक तप किया था। अमेरिका में न्यू जर्सी के रॉबिन्सविले में भी नीलकंठ वर्णी महाराज की 49 फीट ऊंची प्रतिमा है। जो श्रद्धालु वहां स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर जाते हैं, वे उस प्रतिमा के दर्शन करते हैं।

बेसिक देशों ने अमीर राष्ट्रों से जलवायु वित्त की अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने को कहा

बाकू/भाषा। भारत सहित 'बेसिक' देशों ने विकसित राष्ट्रों से जलवायु वित्त प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने को कहा है और यहां जारी सीओपी29 में वार्ता के दौरान अमीर देशों द्वारा अपने वित्तीय दायित्वों को दूसरे पर डालने के प्रयासों को खारिज कर दिया।

वार्षिक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन बृहस्पतिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। इसमें ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन (बेसिक) ने पेरिस समझौता 2015 के पूर्ण व प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत को दोहराया। यह एक कानूनन बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है।

पेरिस समझौते का उद्देश्य वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में पर्याप्त कमी लाना है, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखा जा सके तथा इसे पूर्व-औद्योगिक स्तर (आधार वर्ष 1850-1900) से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक तक सीमित रखने के प्रयासों को जारी रखा जा सके। भारत, मिस्र और लैटिन अमेरिका तथा कैरिबियाई देशों के गठबंधन (एआईएलएसी) ने भी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को बाध्यकारी समझौतों में परिवर्तित करने के लिए स्पष्ट राह बनाने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन सीओपी29 में बुधवार और बृहस्पतिवार को हुई वार्ता के दौरान, जी-77/चीन समूह, जिसमें भारत भी शामिल है, ने जलवायु वित्त पर एक संतुलित नए सामूहिक लक्ष्य (एनसीक्यूजी) का आह्वान किया, जो विकासशील देशों की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी हो। समूह ने वित्तीय तंत्र द्वारा समर्थित प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन कार्यक्रम की भी मांग की। विकसित देशों ने वैश्विक जलवायु लक्ष्य को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं सहित सभी देशों से अपने 'नेट जीरो' लक्ष्यों और कार्यान्वयन प्रयासों को बढ़ाने का आह्वान किया है। 'नेट जीरो' से तात्पर्य उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैस की मात्रा और वायुमंडल से हटाई गई इसकी मात्रा के बीच संतुलन से है।

'ठुकरा के मेरा प्यार' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

श्रद्धा पासी जयरथ द्वारा निर्देशित और बॉम्बे शो स्टूडियोज एलएलपी द्वारा निर्मित शो ठुकरा के मेरा प्यार का ट्रेलर रिलीज हो गया है। डिज़्नी+ हॉटस्टार के नये रोमांटिक शो 'ठुकरा के मेरा प्यार' एक दमदार कहानी बुनी गई है, जिसमें रोमांस बदला लेने में बदल जाता है और विश्वासघात से मुक्ति की तलाश शुरू हो जाती है। कुलदीप (धवल ठाकुर), एक निम्न-वर्गीय परिवार का एक प्रतिभाशाली युवक, निडर शानविका (संचिता बसु) के प्यार में पड़ जाता है। प्रभावशाली चौहान परिवार, उनका प्यार सामाजिक दबावों के कारण बिखर जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विनाशकारी परिणाम सामने आते हैं। बॉम्बे शो स्टूडियो द्वारा निर्मित और द्वारा निर्देशित श्रद्धा पासी जैरथ, पीछा और प्यार की इस अनोखी कहानी में धवल ठाकुर और संचिता बसु जैसे होनहार नवागंतुकों के साथ-साथ अनिरुद्ध दवे और कपिल कानपुरिया जैसे लोकप्रिय अभिनेता प्रमुख भूमिकाओं में हैं। धवल ठाकुर ने कहा, कुलदीप का किरदार बहुत जटिल है, इसमें बहुत अच्छाई के साथ-साथ बहुत कुछ है। बुराई का पक्ष। यह किरदार भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है और इसे जीवंत बनाने के साथ-साथ दर्शकों के लिए इसे प्रासंगिक बनाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ी। निर्देशक और लेखकों का धन्यवाद जिन्होंने कुलदीप की जटिलताओं को कागज़ पर सबसे सरल तरीके से उकेरा जिससे मुझे तैयारी शुरू करने में मदद मिली। पूरी टीम ने इस कहानी को जीवंत बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। मैं डिज्नी+ हॉटस्टार, श्रद्धा पासी जैरथ और बॉम्बे शो स्टूडियोज का आभारी हूं जिन्होंने मुझे यह अवसर दिया।

संचिता बसु ने कहा, ठुकरा के मेरा प्यार एक ऐसी कहानी है जो प्यार, विश्वासघात, शक्ति, मोचन और कई अन्य भावनाओं को उजागर करती है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह कहानी हर किसी और हर आयु वर्ग के लोगों के लिए प्रासंगिक है। यह कुछ ऐसा है जो हर किसी ने अपने जीवन में एक बार अनुभव किया है, लेकिन एक दिलचस्प मोड़ के साथ जो आपको अपनी सीट से बांधे रखेगा। शानविका एक ऐसा किरदार है जो बाहर से कठोर लेकिन सतह के नीचे बहुत कमज़ोरियाँ हैं। वह इतनी बहुआयामी है - प्यार, ताकत और डर, सब एक में समाहित है। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूँ कि 'ठुकरा के मेरा प्यार' डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रहा है और इस अवसर के लिए आभारी हूं।

गेल ने एडीएनओसी गैस के साथ 10 साल का समझौता किया

6 कार्गो में एलएनजी की आपूर्ति शुरू की जाएगी

नई दिल्ली/अबू धाबी। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने गुरुवार को एडीएनओसी गैस के साथ साल 2026 से शुरू होने वाले प्रतिवर्ष 0.52 मिलियन मीट्रिक टन तक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की डिलीवरी के लिए 10 साल के बिक्री और खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह किसी भारतीय क्रेता के साथ एडीएनओसी गैस का पहला बिक्री एवं खरीद समझौता है। एलएनजी को एडीएनओसी गैस की दास आइलैंड प्राकृतिक गैस सुविधा से प्रतिवर्ष छह कार्गो में वितरित किया जाएगा, जिसकी एलएनजी प्रसंस्करण क्षमता 6.0 एमएमटीपीए है। यह वैश्विक स्तर पर अभी भी उत्पादन में तीसरा सबसे पुराना स्थापित एलएनजी संयंत्र है।

इस अवसर पर गेल के निदेशक (विपणन) संजय कुमार ने कहा, 'भारत में विविध क्षेत्रीय पैटर्न में प्राकृतिक गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एलएनजी की मांग बढ़ रही है।

इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गेल आगामी वर्षों में अपने टर्म एलएनजी पोर्टफोलियो में उल्लेखनीय वृद्धि करने की योजना बना रही है।' उन्होंने कहा, 'एडीएनओसी गैस के साथ यह एसपीए इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है, जो गेल को अपने मौजूदा एलएनजी पोर्टफोलियो को बढ़ाने में सक्षम करेगा, ताकि वह अपने विविध उपभोक्ता आधार को बेहतर ढंग से सेवा प्रदान कर सके।'

एडीएनओसी गैस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन) रशीद खल्फान अल मजरूई ने कहा, 'यह समझौता एक विश्वसनीय और जिम्मेदार वैश्विक प्राकृतिक गैस प्रदाता के रूप में एडीएनओसी गैस की भूमिका को मजबूत करेगा। यह गैस की मांग में भविष्य के विकास के अवसरों को हासिल करने की हमारी महत्वाकांक्षा को भी दर्शाता है। यह भारत में ऊर्जा समाधान के लिए एक पसंदीदा साझेदार के रूप में हमारी स्थिति को भी मजबूत करता है।'

ट्रंप ने मार्को रुबियो को विदेश मंत्री के रूप में नामित किया

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सांसद मार्को रुबियो को विदेश मंत्री के रूप में नामित किया और कहा कि रुबियो अमेरिका के लिए एक मजबूत पैरोकार, उसके सहयोगियों के सच्चे मित्र और एक निडर नेता होंगे जो कभी भी विरोधियों के सामने नहीं झुकेंगे।

इस संबंध में औपचारिक घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा, ''यह ऐलान करते हुए मुझे बेहद गर्व हो रहा है कि फ्लोरिडा के सांसद मार्को रुबियो को अमेरिका के विदेश मंत्री के रूप में नामित किया गया है।''

'सिटाडेलः हनी बनी' इस वीकेंड पर प्राइम वीडियो की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज बनी

मुंबई/एजेन्सी

वरुण धवन और समांथा की जोड़ी वाली सीरीज सिटाडेल: हनी बनी इस वीकेंड पर प्राइम वीडियो की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली सीरीज़ बन गयी है। प्राइम वीडियो ने बताया कि सिटाडेल यूनिवर्स का हिस्सा सिटाडेलः हनी बनी लॉन्च वीकेंड में प्राइम वीडियो पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज़ बन गई। इस भारतीय जासूसी सीरीज़ को राज और डीके (राज निदिमोरु और कृष्णा डीके) ने निर्देशित किया है और इसमें वरुण धवन और समांथा हैं। यह सीरीज़ 200 देशों में स्ट्रीम हुई और लगभग 150 देशों में टॉप 10 में रही, जिनमें यूएस, यूके, फ्रांस, इटली, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्राज़ील और यूएई शामिल हैं, जिससे गैर-अंग्रेजी कंटेंट की बढ़ती पॉपुलैरिटी का संकेत मिलता है। लॉन्च के दिन यह सीरीज़ भारत और 30 से अधिक देशों में प्राइम वीडियो के चार्ट में पहले नंबर पर थी। सीरीज सिटाडेल: हनी बनी को डी2आर फिल्म्स और अमेजन एमजीएम स्टूडियो ने बनाया है। रूसो ब्रदर्स की कंपनी एजीबीओने इसका निर्माण किया है। इस सीरीज़ में वरुण और समांथा के अलावा के के मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार और काशवी मजूमदार जैसे कलाकार शामिल हैं। सिटाडेलः हनी बनी अब भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से स्ट्रीमिंग कर रही है। राज और डीके ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम करना एक शानदार अनुभव था। इसने हमें ग्लोबल एंटरटेनमेंट के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ काम करने का मौका दिया। हमने जासूसों की एक बड़ी दुनिया बनाई जो आम कहानियों से अलग है। हमें हनी बनी में 90 के दशक के सिनेमा के छिपे हुए संदर्भ और थ्रोबैक जोड़ने में मज़ा आया। हम भारत और दुनिया भर में मिले शानदार रिस्पॉन्स से उत्साहित हैं। प्राइम वीडियो इंडिया में ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, सिटाडेल: हनी बनी की सफलता से पता चलता है कि भारतीय कंटेंट को दुनिया भर के लोग ज़्यादा पसंद कर रहे हैं। यह साबित करता है कि स्थानीय कहानियाँ हर जगह लोगों से जुड़ सकती हैं। इस सीरीज़ को भारत में काफ़ी पसंद किया गया है और हम इस बात से उत्साहित हैं कि यह एक्शन से भरपूर स्पाई थ्रिलर अपने लॉन्च वीकेंड के दौरान प्राइम वीडियो पर दुनिया भर में सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली सीरीज़ बन गई है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में हुआ। साध्वीश्री ने कहा कि भिक्षु को समझना तो दूर, केवल उनके नाम का अर्थ समझ लें तो भी जीवन सार्थक हो सकता है।

व्रत चेतना एवं तपस्या का अभिनंदन समारोह में तपस्वियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेयुप बेंगलूरु द्वारा गांधीनगर सभा भवन में 'सम्मान व्रत चेतना' व 'सम्मान बारह व्रत' का कार्यक्रम का आयोजन साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में हुआ्। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में व्रत संकल्पों के प्रति चेतना जाग्रत करना तथा संयम और मर्यादित जीवन का महत्व प्रतिपादित करना था। साध्वी श्री उदितयशा जी ने अपने आध्यात्मिक प्रवचन में श्रावकों के लिए भगवान महावीर के बताए हुए संयम पथ की व्याख्या करते हुए कहा कि पूर्ण संयम का पालन कठिन हो सकता है, परंतु आवश्यकताओं का सीमांकन कर और भौतिक वस्तुओं के उपभोग में मर्यादा रखकर एक व्रती जीवन सहजता से अपनाया जा सकता है। साध्वीश्री जी ने बताया कि यदि व्रत चेतना को जाग्रत किया जाए, तो ये संकल्प हमारे जीवन को संयममय और पवित्र बनाएंगे। साध्वीश्री उदितयशाजी द्वारा मंत्रोच्चार किया। तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर 12 व्रती श्रावक-श्राविकाओं का जैन पट्ट और सम्मान प्रशस्ति पत्र देकर अभिनंदन किया गया,। तेयुप मंत्री राकेश कुमार चोरड़िया ने संचालन किया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़ सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बसवनगुडी में मुमुक्षुद्वय का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में मुम्बई निवासी मुमुक्षुद्वय ममता मरडियाऔर दामिनी मरडिया का सम्मान मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी की निश्रा में हुआ्। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, संघवी तेजराज गुलेच्छा, उम्मेदमल बाफना, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, पुखराज कवाड ने मुमुक्षुद्वय का सम्मान किया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों मुमुक्षुओं की जैन भागवती दीक्षा 6 मार्च को मुम्बई में खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के शिष्य उपाध्यायश्री मनितप्रभसागरजी के कर कमलों से और गच्छगणिनी साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी के सान्निध्य में सम्पन्न होगी।

इस मौके पर मुमुक्षुद्वय के अभिनन्दन में मलयप्रभसागरजी ने कहा कि जो आत्मा जन्म मरण से मुक्ति और मोक्ष के लिए प्रयासरत हैं वहीं मुमुक्षु है। जीवन में चार दृष्टि होनी चाहिए। पहली माइक्रोस्कोप जैसी दृष्टि जिसमें हमारा छोटे से छोटा पाप और दोष रज की भांति से गज की भांति हमें बड़ा लगे, दूसरी एक्स रे जैसी दृष्टि जिसमें हमारे अन्दर की पूरी संरचना दिखाई दे, जिससे हम अपने मूल तत्व आत्मा को जान सकें्। तीसरी दूरबीन जैसी दृष्टि जिससे हम दूर की दृष्टि देख और समझ सकें। साथ ही हमारे परभव को भी देख सकें। हमारा जैसा आज का वर्तमान होगा वैसा ही हमारा परभव होगा। चतुर्थ दृष्टि टेलीस्कोप जैसी दृष्टि हमें रखनी चाहिए जिससे हम हमारा ऊर्ध्वगामी लक्ष्य मोक्ष को देख सकें, जो कि हमारी आत्मा का परम पद और अन्तिम लक्ष्य है। मोक्षपुरी और सिद्धगति में हमारा स्थान बनाना है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

शुक्रवार को प्रातः छह बजे कार्तिक पूर्णिमा की आराधना निमित्त शत्रुंजय महातीर्थ की भाव यात्रा और चैत्यवन्दन करवाए जाएंगे, तत्पश्चात संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन समारोह आयोजित किया गया है।

तेयुप बेंगलूरु द्वारा 'भिक्षु विचार दर्शन' प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में हुआ। साध्वीश्री ने कहा कि भिक्षु को समझना तो दूर, केवल उनके नाम का अर्थ समझ लें तो भी जीवन सार्थक हो सकता है। भिक्षु का नाम और उनके विचारों की गहराई को समझ पाना आसान नहीं है। उनका दर्शन तभी समझ में आ सकता है, जब हमारी भावना और चिंतन निर्मल हों। भिक्षु वह हैं जो अपनी बुद्धि और प्रज्ञा को साधना के शिखर तक पहुंचाते हैं। भिक्षु विचार दर्शन को समझना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही हमारे धर्म का आधार है। जब हमारी श्रद्धा सुदृढ़ होती है, तो आस्था का स्तंभ भी स्थिर होता है। भिक्षु के विचारों का अनुसरण करना हमें सच्ची निष्ठा के मार्ग पर ले जाता है। निष्ठा का जागरण तभी संभव है, जब श्रद्धा मजबूत हो, क्योंकि श्रद्धा ही सबसे बड़ा धन है। जिसके पास भगवान की आज्ञा के प्रति श्रद्धा नहीं है, वही सच्चे अर्थ में दरिद्र है। आस्था और निष्ठा का जागरण हमारे धर्म जीवन का आधार है, जिसके लिए हमें अपने नियमों को दृढ़ करना और श्रद्धा से जीवन को पोषित करना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान साध्वीश्री संगीतप्रभा जी ने निर्जरा की अनुप्रेक्षा करवाई। साध्वीश्री भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभाजी ने गीतिका का संगान किया। संचालन करते हुए मंत्री राकेश चोरड़िया ने विजय गीत का संगान तथा महासभा आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा ने श्रावकनिष्ठा पत्र का वाचन किया।

इस अवसर पर तेरापंथ सभा द्वारा 8 उपवास या उससे अधिक की तपस्या करने वाले तपस्वियों का विशेष अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप से भिक्षु दर्शन कार्यशाला के राष्ट्रीय सहप्रभारी राकेश पोखरणा, शाखा प्रभारी अमित दक, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष मनीष भंसाली, संस्कारक अमित भंडारी, तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, ज्ञानशाला के माणकचंद संचेती, पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया, महिला मंडल अध्यक्षा रिजुबाला डुंगरवाल आदि उपस्थित थे।

विजयनगर में 'सॉफ्ट स्किल्स' व्यक्ति्त्व विकास कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर व किशोर मंडल एपिसोड विजयनगर द्वारा साध्वी श्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला सॉफ्ट स्किल्स का आयोजन किया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभा जी समय नियोजन एवं ब्रह्म मुहूर्त में स्वाध्याय एवं पढ़ाई का महत्व बताया। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने कहा कि हमारे प्रोडक्टिविटी के प्रेरणा स्रोत हमारे गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी से गुणवत्ता व क्षमता की प्रेरणा लेनी चाहिए।

साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी द्वारा मंत्रोच्चार किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने स्वागत किया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और मोटिवेशनल ट्रेनर मुकेश भंडारी ने रचनात्मक एवं संवाद परक रूप से कार्यशाला को प्रतिभागियों के लिए सहज बनाया। इस कार्यशाला में अभातेयुप के सीपीएस के राष्ट्रीय मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मांडोत, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, तेयुप उपाध्यक्ष विकास बांठिया, सहमंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, महिलामंडल मंत्री दीपिका गोखरू आदि उपस्थित थे। किशोरमंडल संयोजक हर्ष मांडोत ने धन्यवाद दिया।

ट्रेंडसेटर जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स बढ़ा रहा है आपसी नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो ट्रेंडसेटर जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स की चौथी बैठक चामराजपेट कार्यालय में हुई। इस मौके पर एलीराह की संस्थापक और बीजेएस की अध्यक्ष नेहा चौधरी ने शिक्षा के बारे में बताते हुए उद्यमियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने और विस्तार करने के तरीके पर केंद्रित एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही दृष्टिकोण के साथ, व्यवसाय न केवल अपनी पहुंच और राजस्व को बढ़ा सकते हैं बल्कि ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य भी बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि व्यवसाय को बढ़ाने के लिए रणनीतिक योजना, संचालन दक्षता और बदलाव के प्रति अनुकूलता का सही मिश्रण होना चाहिए्। बैठक में नेटवर्किंग, सोशल मीडिया प्रमोशन व स्वयं को अपग्रेड करने विषय पर चर्चा हुई। क्लिक्स एंड गिगल्स की अंजना जैन ने अपने व्यवसाय और फोटोग्राफी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस बैठक में गिफ्टिंग पार्टनर केक्स एंड मून से चंदा पोमानी थीं। सभी जेबीऐन सदस्यों को अपने व्यवसाय को प्रदर्शित करने के लिए 30 सेकंड का समय दिया गया। सत्र का संचालन रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सचिव ज्योति कोचेटा ने किया। इस मौके पर 18 सदस्याओं के बीच आपसी व्यवसाय हुआ।

पर्यावरण संरक्षण व साइबर सुरक्षा विषय पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

नेत्र जांच कर जरुरतमंदों के बांटे निशुल्क चश्मे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विजय संभव फाउंडेशन ने विश्व साईं नर्सिंग कॉलेज इलेक्ट्रॉनिक सिटी में निःशुल्क 44 चश्मे वितरण किए गए। इस विशेष आयोजन में समाज के हित में तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर अध्यक्ष रवि राजहंस ने निःशुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम, साइबर सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना था, बल्कि समाज के पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में योगदान भी देना था। आज के समय में साइबर सुरक्षा की आवश्यकता को समझते हुए अध्यक्ष ने डिजिटल युग में लोगों की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। रवि राजहंस ने कहा कि वर्तमान समय में लोग इंटरनेट पर निर्भर हैं, जिससे साइबर अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं्। फाउंडेशन ने विशेषत: बच्चों और वृद्ध लोगों के लिए जागरूकता अभियान चलाए, ताकि वे सुरक्षित रूप से डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही, उन्होंने साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ निकट भविष्य में मिलकर वर्कशॉप और सेमिनार का आयोजन किया जाएगा ताकि लोग विभिन्न ऑनलाइन खतरों से सावधान रह सकें्।

पर्यावरण संरक्षण को ध्यान आकर्षित करते हुए रवि राजहंस ने सस्टेनेबिलिटी पर एक विशेष पहल की शुरुआत की। समाज को स्थायित्व की ओर अग्रसर करने के लिए आवश्यक है कि लोग पर्यावरणीय नुकसान को कम करने वाले तरीकों को अपनाएं। इसके लिए फाउंडेशन ने वृक्षारोपण, पुन: उपयोग की आदतों को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यशालाओं का आयोजन किया। साथ ही, उन्होंने प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान में भी सक्रिय योगदान दिया और लोगों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए जागरूक किया। इसी कड़ी में उन्होंने 50 सूती कपड़ों से बने बैग भी वितरित किया। इस आयोजन को सफल बनाने में कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ सोफिया, शिक्षक फाउंडेशन के सदस्य अक्षय और विजयशंकर गुप्ता का योगदान रहा।

नाकोड़ा पार्श्व भक्ति और भैरव चालीसा रविवार को, तैयारियां तेज

ब्यावर संघ युवा शाखा और नाकोड़ा कॉन्फ्रेंस का है आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा नाकोड़ा पार्श्व भक्ति और भैरव चालीसा कार्यक्रम रविवार को आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक द्वारा यह परमात्मा की भक्ति की जाएगी जिनकी तरफ से विगत आठ वर्षों से अखंड भक्ति और चालीसा प्रति रविवार को बेंगलूरु के अनेक स्थानों पर की जा रही है। भक्ति कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशल जैन आराधना भवन में होगा। इस निमित्त बैनर का अनावरण युवा शाखा और नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किया गया।

महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि रविवार को शाम सात बजे 108 दीपकों से परमात्मा की आरती की जाएगी। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी प्रकाशकंवर रेखचन्द डाकलिया, संतोषदेवी चेतनकुमार रेदासनी, विनोदकुमार अमितकुमार डांगी व पुष्पादेवी सज्ञनराज कोठारी परिवार हैं। ब्यावर संघ के महामंत्री अरविंद कोठारी के साथ युवा शाखा के साथ नाकोड़ा कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष वंशराज बोहरा, महामंत्री रोहित नाहटा, समन्वयक सुशील बाफना के साथ समस्त सदस्य भी भक्ति कार्यक्रम को सफल करने की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे दिवाकर चौथमल महाराज : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजीने प्रवचन में गुरुवार को जैन धर्म दिवाकर, जगत वल्लभ, प्रसिद्ध वक्ता श्री चौथमल जी महाराज की 147 वीं जयंती पर उनके गुणानुवाद करते हुए उन्हें प्रभावशाली और विशिष्ट महान व्यक्तित्व का धनी संत महापुरुष बताया। संतश्री की वाणी का प्रभाव इतना जबरदस्त पड़ता था कि उस समय के हिंसक व क्रूर राजाओं ने, ठाकुर, सामन्त जमींदारों के अलावा कई हिंसा-दुराचार में लिप्त निम्न जाति के लोगों को दया का उपदेश देकर उन सब लोगों को हमेशा-हमेशा के लिए सप्त कुव्यसनों का हिंसा आदि का त्याग करवा दिया था। और वे हमेशा के लिये हिंसा के मार्ग को छोड़कर, अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हो गये थे। आपके अन्दर एक नहीं बल्कि अनेकानेक प्रतिभाओं का समावेश था। दिवाकर जी महाराज षट्दर्शनों के गहन जानकार आगाम, उपनिषद, व्याकरण आदि के साथ उन्हें विविध भाषाओं का ज्ञान था। वे सेवाभावना की उत्कृष्ट मिसाल थे।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि मनुष्य के शरीर का भूषण उसका रूप होता है। रूप का भूषण गुण है। अर्थात् रूप भी गुण से शोभा पाता है। गुण का महत्त्व ज्ञान से होता है और ज्ञान की शोभा क्षमा गुण को अपने जीवन में धारण करने से है। गुण से ही व्यक्ति सर्वत्र संसार में आदर सम्मान को प्राप्त करता है। क्षमा गुण को अपनाने वाला व्यक्ति की यह विशेषता हैं कि वह विपरीत परिस्थिति में जीवन के अन्दर आने वाले सभी कठिनाइयों संकटों, परिषहों को भी जीत लेता है। जो तुम अपने लिए चाहते हो, जो तुम अपने लिए नहीं चाहते हो, वहीं तुम दूसरों के लिए चाहा यही सुखी जीवन जीने का मूल मंत्र हैं और यही जिनशासन है और यही एक मात्र शासन का आधार है। शनिवार की अपने चातुर्मास पुर्णाहुति के पश्चात साध्वीवृन्द का प्रथम विहार हनुमंतनगर जैन स्थानक से प्रातः 8 बजे कल्याणसिंह बुरड़ परिवार के निवास स्थान पर होगा।

गुरु गणेश जन्मोत्सव समारोह की तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में आयोजित कर्नाटक गजकेसरी गणेशलालजी के 145वें भव्य जन्मोत्सव समारोह की व्यवस्था हेतु लालबाग रोड स्थित सभागार में बैठक गा आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर विचार किया गया और इसे ऐतिहासिक सफल बनाने हेतु जिम्मेदारी सौंपी गई्। सभा में जन्मोत्सव समारोह के संपूर्ण लाभार्थी रणजीतमल जितेन्द्रकुमार आगमकुमार कानूंगा के साथ समिति के पदाधिकारीगण चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोककुमार कोठारी, मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। रणजीतमल कानूंगा ने सभी को धन्यवाद दिया।

स्कूली बच्चों को 'पहले तोले-फिर बोले' विषय पर दिया प्रशिक्षण

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा बिड़दी स्थित सरकारी स्कूल में अध्यक्ष सुमन पटवारी के निर्देशन में 'पहले तोले-फिर बोले' विषय पर कार्यशाला आयोजन हुआ। सुशीला देवडा द्वारा नमस्कार महामंत्र का जाप व महाप्राण ध्वनि का प्रयोग सीमा दक ने करवाया। कक्षा में स्कूली बच्चों को विभिन्न घटनाओं एवं कहानी के माध्यम से 'पहले तोले-फिर बोले' विषय के बारे में चर्चा की गई्। बच्चों को मधुर भाषा बोलकर सबके दिलों को जीतने के गुर सीखाए गए। बच्चों को सही समय पर उचित शब्दों का प्रयोग, सोचकर बोलना व सही गलत की पहचान कराते हुए जीवन जीवन में इन बातों को उतारने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को गेम्स भी खिलाएं गए्। संयोजिका पूनम दक का सहयोग रहा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बालदिवस

जगद्गुरुश्री जयदेव शिक्षण संस्थान में बाल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं शिक्षकों ने चाचा नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए गुणों का स्मरण किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मुणोत ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com